RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:85 ता. 25 सितम्बर 2022, रविवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

आसमानी आफत बनकर आई बरसात

भूस्खलन के बाद गंगोत्री चारधाम यात्रा पर रोक, बारिश पर ऑरेंज अलर्ट

देहरादून। उत्तराखंड में लगातार हो रही बारिश आफत बनती जा रही है। भारी बरसात के बाद लगातार हो रहे भूस्खलन की वजह से गंगोत्री चारधाम यात्रा पर रोक लगा दी गई है। प्रशासन द्वारा अगले दो दिनों तक गंगोत्री चारधाम यात्रा पर रोक लगाई गई है। वहीं दूसरी ओर, चारधाम यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं को सावधान रहने की भी हिदायत दी गई है। मौसम विभाग ने बारिश पर अलर्ट जारी किया है। उत्तराखंड में अगले दिन कई जिलों के लिए बारिश पर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, जबकि कुछ जिलों में भारी बारिश की भी चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार को उत्तरकाशी, चमोली, बागेश्वर, पिथौरागढ़, ऊधमसिंहनगर व हरिद्वार जिले में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश होने की आशंका है। उत्तराखंड में पिछले दो दिनों से जारी बारिश की वजह से कई सड़कें बंद हो गई हैं। चारधाम यात्रा रूट सहित हाईवे बंद होने की वजह से जगह-जगह यात्री फंस गए हैं। पुलिस-प्रशासन द्वारा बंद सड़कों को खोलने का काम जारी है, लेकिन खराब मौसम लगातार बाधा बना हुआ है। उत्तरकाशी जिले में बारिश के कारण भटवाड़ी से आगे हेलगूगाड़ के पास पिछले 40 घंटों से बंद गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग को वाहनों की आवाजाही के लिए खोल दिया गया है। राजमार्ग खुलने से जगह-जगह फंसे हजारों यात्रियों ने राहत की सांस ली।

इसके साथ ही गंगोत्री धाम की यात्रा फिर से चालू हो गई है। भारी बारिश के कारण बीते बुधवार रात को हेलगूगाड़ के पास भारी मात्रा में मलबा आने से गंगोत्री हाईवे पर आवाजाही बंद हो गई थी। हालांकि राजमार्ग कुछ देर खुलने के बाद गुरुवार सुबह को बंद हो गया।अब मार्ग खुल गया है। यमुनोत्री हाईवे पर शुक्रवार दोपहर बाद डबरकोट के पास मलबा आने से आवाजाही बंद हो गई है। एनएच बड़कोट की जेसीबी मशीन मौके पर पहुंची है और हाईवे को बहाल करने में जुटी है।

सप्त कोसी बांध परियोजना पर आगे बढ़ेंगे भारत-नेपाल, बनी सहमति

नई दिल्ली। भारत और नेपाल के अधिकारियों की मुलाकात के बाद दोनों देश सप्त कोसी बांध परियोजना पर आगे के अध्ययन के लिए राजी हो गए हैं। दरअसल, शुक्रवार को काठमांडू में दोनों देशों के अधिकारियों के बीच जल संसाधन और सिंचाई पर संयुक्त समिति की नौंवी बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान महाकाली संधि के कार्यान्वयन और बाढ़ के क्षेत्रों में सहयोग सहित द्विपक्षीय जल-क्षेत्र सहयोग की व्यापक समीक्षा की गई। इससे पहले 21-22 सितंबर को जल संसाधन पर संयुक्त स्थायी तकनीकी समिति की 7वीं बैठक आयोजित की गई थी। भारतीय दूतावास की ओर से जारी किए गए एक बयान में कहा गया कि इन बैठकों के दौरान महाकाली संधि के कार्यान्वयन, सप्त कोसी-सन कोसी परियोजना और बाढ़ को लेकर भारत और नेपाल के बीच द्विपक्षीय जल-क्षेत्र सहयोग की व्यापक समीक्षा की गई। दूतावास की ओर से जारी किए गए बयान में कहा गया है कि सप्त कोसी उच्च बांध परियोजना को आगे के अध्ययन के माध्यम से आगे बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की गई है। इसमें नियोजित परियोजनाओं, जलमग्न क्षेत्रों के साथ-साथ अन्य सामाजिक, पर्यावरणीय और तकनीकी पहलुओं को ध्यान में रखा गया है। विशेषज्ञों की संयुक्त टीम के बीच जल्द मुलाकात की उम्मीद है। सप्त कोसी हाई डैम नेपाल की सप्तकोशी नदी पर बनने वाली एक बहुउद्देशीय परियोजना है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य दक्षिण-पूर्व नेपाल और उत्तरी बिहार में बाढ़ को नियंत्रित करना और जल विद्युत उत्पन्न करना है। गौरतलब है कि नेपाल में चीन की मदद के तैयार की गई परियोजनाएं अधिक सफल नहीं हुई हैं। ऐसे में नेपाल ने भारत का रुख किया है। पड़ोसी देश की मदद के लिए भी भारत आगे आया है और ऐसी कई परियोजनाओं में उसका सहयोग कर रहा है।

दुश्मन के मंसूबे ध्वस्त करेगा भारत का घातक हथियार

पोकरण में एएलएस 50 ने बरपाया कहर

नई दिल्ली। स्वदेशी हथियारों के मामले में आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। रक्षा क्षेत्र में हो रहे इनोवेशन ने दुनिया को भी हैरान कर दिया है। अब भारत ने जैसलमेर की पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में अछर 50 ड्रोन का सफल परीक्षण किया है। ड्रोन कैमरे से लैस अछर 50 टारगेट पर सटीक निशाना लगाया। इससे पहले इसका लद्दाख में भी परीक्षण किया जा चुका है। दोनों परीक्षण सफल रहने के बाद इस घातक हथियार के भारतीय सेना में शामिल होने की उम्मीदें बढ़ गई हैं। अछर 50 लॉयटरिंग म्यूनेशन एक तरह का मिसाइल है, जो ड्रोन की तरह काम करता है। इसे टाटा एडवांस सिस्टम लिमिटेड (टीएएसए) ने बनाया है। मीडिया में प्राप्त जानकारी के मुताबिक, यह हथियार वर्टिकल टेक ऑफ और लैंडिंग करने में सक्षम है। इसे संकरी घाटियों, पहाड़ों, जंगलों व दुर्गम क्षेत्रों में इस्तेमाल करने के लिए डिजाइन किया गया है। जानकारी के मुताबिक, मिसाइल या अन्य ड्रोन की तुलना में अछर 50 की लागत काफी कम है, वहीं यह दुश्मन पर अधिक मारक है। इसमें ऑटोमोनस टारगेटिंग सिस्टम है। यानी पहले से तय टारगेट को यह आसानी से पहचान कर खत्म कर सकता है। इसके साथ ही यह दुश्मन तक पहुंचने से पहले रास्ते की जानकारी भी अपने हैंडलर को देता है।

21 घंटे बाद खुला दिल्ली-अंबाला हाईवे, किसान की मांगों पर नरम हुई सरकार

चंडीगढ़। धान खरीदी की मांग को लेकर जारी हरियाणा के किसानों का प्रदर्शन खत्म हो गया है। इसके साथ ही करीब 21 घंटों से बंद दिल्ली-अंबाला नेशनल हाईवे पर यातायात फिर शुरू हो गया है। खबर है कि सरकार किसानों की मांगों पर नरम हो गई है। खास बात है कि इस ब्लॉक के चलते कुरुक्षेत्र के आसपास ट्रैफिक की भारी समस्या खड़ी हो गई थी। धान की आधिकारिक खरीदी 1 अक्टूबर से शुरू हो रही है। भारतीय किसान यूनियन-चढ़ूनी के गुरनाम सिंह चढ़ूनी का कहना है कि राज्य ने बताया है कि वह अनाज मंडियों में रखी धान को निकालना शुरू करेगी। उन्होंने बताया कि जैसे की पहले घोषणा की गई है कागजों पर काम 1 अक्टूबर को किया जाएगा। बीकेयू-सी ही किसानों के इस प्रदर्शन की अगुवाई क रही थी। चढ़ूनी ने कहा कि अब वह इसे कहा स्टोर करेंगे, यह उनका सिरदर्द है। नेशनल हाईवे 44 को ब्लॉक किए जाने के खिलाफ पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट में याचिका दायर हुई थी। याचिका पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने यातायात व्यवस्था को बेहतर करने के लिए हाईवे खुला रखने के निर्देश दिए।

ऋषिकेश की चीला नहर से मिला अंकिता का शव

गुस्साए लोगों ने विधायक की गाड़ी के शीशे तोड़े

ऋषिकेश। अंकिता भंडारी की हत्या की खबर से सनसनी फैली हुई है। उत्तराखंड एसडीआरएफ ने शनिवार की सुबह अंकिता भंडारी का शव ऋषिकेश की चीला नहर से बरामद कर लिया है। रऋऋ के प्रवक्ता ने अंकिता भंडारी के शव को चीला नहर से बरामद किए जाने की पुष्टि की है। वहीं, मामले की जांच अब एसआईटी करेगी। शनिवार सुबह अंकिता का शव मिलने के बाद प्रदेशभर में जगह-जगह लोगों का गुस्सा दिखाई दे रहा है। सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे लोग आरोपियों को फांसी देने की मांग कर रहे हैं। इस बीच एम्स ऋषिकेश के बाहर लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है। एम्स ऋषिकेश में अंकिता का पोस्ट मार्टम किया गया। इस दौरान यमकेश्वर विधायक रेणु बिष्ट यहां पहुंची तो गुस्साई भीड़ ने उनकी गाड़ी के शीशे तोड़ दिए। लोगों के विरोध के बाद एम्स से विधायक को निकालना पड़ा। दूसरी ओर मामले में धामी सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। आरोपी पुलकित आर्य के भाई अंकित की पिछड़ा आयोग से छुट्टी होगी। अंकित आर्य अभी पिछड़ा वर्ग आयोग का उपाध्यक्ष है। दूसरी तरफ गुस्साए लोगों ने आरोपी पुलकित आर्य की फैक्टी में आग लगा दी। जोकि वनंत्रा रिजॉर्ट के पीछे बनी थी। अंकिता हत्याकांड की विवेचना के लिए एसआईटी गठित की गई है। डीआईजी कानून व्यवस्था, एसपी रेखा यादव और एएसपी शेखर सुयाल को शामिल कर एसआईटी बनाई गई है। इन्हीं अधिकारियों की निगरानी में मुकदमे की पूरी विवेचना होगी। डीजीपी ने सभी जिलों के इस तरह के रिजॉर्ट और गेस्ट हाउस की पड़ताल करने के निर्देश दिए हैं। एलआईयूऔर क्षेत्र के इंस्पेक्टर के साथ मिलकर टीम बनाकर जांच की जाएगी। इन रिजॉर्ट और गेस्ट हाउस की महिला स्टाफ से भी बातचीत की जाएगी। पूरे मामले में डीजीपी ने एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट मांगी है। अंकिता भंडारी की निर्मम हत्या पर विधानसभा अध्यक्ष रितु खंडूडी ने गहरा शोक व्यक्त किया है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि मानवता को शर्मसार करने वाली यह घटना हृदय विदारक है। उन्होंने इस घटना में संलिप्त सभी आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की बात कही है। एएसपी कोटद्वार शेखर सुयाल ने शुक्रवार को मामले का खुलासा करते हुए बताया कि पौड़ी गढ़वाल के नांदलस्यूं पट्टी के श्रीकोट निवासी अंकिता भंडारी (19) वनंत्रा रिजॉर्ट में रिसेप्शनिस्ट के तौर पर काम करती थी। वह गत 18 सितंबर को रहस्मय ढंग से लापता हो गई थी। रिजॉर्ट के मालिक पुलकित आर्य की ओर से उसकी गुमशुदगी राजस्व पुलिस चौकी में दर्ज कराई गई। बृहस्पतिवार तक अंकिता का कुछ पता नहीं चला। इसके बाद मामला लक्ष्मणझूला थाना पुलिस को ट्रांसफर कर दिया था। इसके बाद जब पुलिस ने जांच की तो रिजॉर्ट के संचालक और उसके मैनेजरों की भूमिका सामने आई।

गुरुग्राम में बारिश से हुए जलजमाव के बाद पानी में फंसकर तैरने लगी कैब, बचने को छत पर चढ़ी सवारी

गुरुग्राम। लगातार तीसरे दिन रुक-रुक कर हो रही बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। भारी बारिश के कारण कई हिस्सों में जलभराव और ट्रैफिक जाम के कारण लोगों को अनेक मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। गुरुग्राम में शनिवार को नरसिंहपुर के पास सर्विस रोड पर हुए जलभराव के चलते एक कैब पानी में फंस गई। कैब में करीब तीन फीट तक पानी भर जाने से वहीं बंद हो गई और कैब ने पानी में नाव की तरह तैरना शुरू कर दिया। इस दौरान कैब के अंदर बैठी सवारी काफी देर तक कैब की छत पर बैठी रही। ट्रैफिक पुलिस कर्मियों और गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण की टीमों को यातायात के प्रबंधन और पानी की निकासी के लिए कार्रवाई में लगाया गया है। गुरुग्राम ट्रैफिक पुलिस ने ट्विटर पर अपनी एडवाइजरी में कहा, एनएच पर दिल्ली/गुरुग्राम से मानेसर, रेवाड़ी और जयपुर की ओर जाने वाले यात्रियों से गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन, वाटिका चौक और एसपीआर जैसे वैकल्पिक मार्गों का पालन करने का अनुरोध किया जाता है।

उत्तराखंड की घटना पर राहुल ने जताया दुख, बोले- देश तभी आगे बढ़ेगा जब महिलाएं होंगी सुरक्षित

नई दिल्ली। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा 17वें दिन फिर से शुरू हो गई। केरल के पेरम्बरा से शुरू हुई यह यात्रा आज सुबह के चरण में करीब 12 किमी की दूरी तय करेगी और अंबल्लूर जंक्शन पर समाप्त होगी। पेरम्बरा से शुरू हुई यात्रा में सैकड़ों पार्टी कार्यकर्ता भी शामिल हुए। इससे पहले शुक्रवार को इस यात्रा को विश्राम दिया गया था। सात सितंबर को यात्रा शुरू होने के बाद से यह दूसरा विश्राम दिवस था। इस दौरान यात्रा में शामिल लोगों के लिए चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया था। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने ट्वीट किया, ₹एक दिन के आराम के बाद, भारत जोड़ो यात्रा का 17वां दिन त्रिशूर जिले के पेरम्बरा जंक्शन से आज सुबह करीब 6:35 बजे शुरू हुआ। यात्री आज सुबह 12 किमी पैदल चलेंगे। भारत जोड़ो यात्रा ने 10 सितंबर को केरल में प्रवेश किया था। इस राज्य में यह यात्रा 450 किलोमीटर की दूरी तय करेगी, इस दौरान यह सात जिलों से होकर गुजरेगी। एक अक्टूबर को कर्नाटक में प्रवेश करेगी। गौरतलब है कि कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा 150 दिनों में 3,570 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। यह 7 सितंबर को तमिलनाडु के कन्याकुमारी से शुरू हुई थी और जम्मू-कश्मीर में समाप्त होगी। भारत जोड़ो यात्रा के विश्राम दिवस के दिन कई खबरें ऐसी आईं, जिनमें कहा गया कि राहुल गांधी राष्ट्रीय राजधानी में हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने उन खबरों को खारिज किया है। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि कुछ टीवी चैनल्स और प्रिंट मीडिया के एक वर्ग द्वारा फैलाई जा रही फर्जी खबरों के विपरीत राहुल गांधी आज कंटेनर में दिन बिता रहे हैं।

बारिश से मची आफत, 80 रुपये किलो के पार जा सकता है टमाटर, प्याज भी हो सकता है महंगा

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में हो रही तेज बारिश ने प्याज की खरीफ फसलों को नुकसान पहुंचाने की आशंका बढ़ गई है। ऐसे में एक बार फिर प्याज की कीमतों में तेजी की संभावना नजर आ रही है। फिलहाल देश के प्रमुख उत्पादक राज्यों खासकर महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और कर्नाटक में प्याज की कीमतें काफी नीचे चल रही हैं, जिस वजह से किसान अपनी उत्पादन लागत भी नहीं निकाल पा रहे हैं। लेकिन आने वाले दिनों में कीमतों में तेजी की संभावना जताई जा रही है, क्योंकि इन सभी प्रमुख उत्पादक राज्यों में कई दिनों से जारी बारिश के मद्देनजर प्याज की खरीफ फसलों को नुकसान पहुंचने की आशंका बढ़ गई है। जानकारों का कहना है कि मौजूदा बारिश से जहां एक और तैयार खरीफ फसलों को नुकसान हो रहा है। वहीं पछेती खरीफ फसलों को भी क्षति पहुंच रही है, जिसकी बुआई अभी की जा रही है। वहीं दूसरी तरफ लगातार हो रही बारिश से टमाटर की फसल भी खराब हो रही है, जिससे यह लगातार महंगा हो रहा है। कुछ इलाकों में दाम बढ़कर 80 रुपये किलो तक पहुंच चुके हैं। कारोबारियों के मुताबिक आगे टमाटर के दाम बारिश पर निर्भर करेंगे। जानकारी के अनुसार, फिलहाल खरीफ प्याज की आवक कर्नाटक में और महाराष्ट्र में भी शुरू हो गई है। आमतौर पर महाराष्ट्र में खरीफ प्याज की आवक मुख्य रूप से अक्तूबर से शुरू होती है। वहीं इन राज्यों में पछेती खरीफ प्याज की रोपाई फिलहाल चल रही है। देश के कुल प्याज उत्पादन में जहां रबी प्याज की हिस्सेदारी करीब 70 फीसदी है। जबकि खरीफ और पछेती खरीफ फसलों की हिस्सेदारी 20 फीसदी और 10 फीसदी के आसपास है। भारतीय सब्जी उत्पादक संघ से जुड़े पदाधिकारियों का कहना है कि बीते कुछ दिनों से महाराष्ट्र के साथ उत्तरी कर्नाटक के प्याज उत्पादक इलाकों में अच्छी बारिश हो रही है। इसके अलावा मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के कुछ हिस्सों में भी बरसात हो रही है। खेतों में पानी भरने से प्याज की जड़ खत्म हो रही है, जिससे खरीफ सीजन वाले प्याज की फसल को नुकसान के कारण उत्पादन घट सकता है। इससे अगले महीने प्याज के दाम बढ़ सकते हैं। अभी किसानों को प्याज की ज्यादातर कीमत 10 से 14 रुपये किलो मिल रही है। बहुत अच्छी गुणवत्ता वाले प्याज के भाव 17 रुपये किलो तक है।

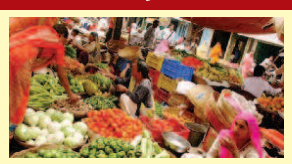

सार समाचार

केरल में पोक्सो मामले के आरोपी की गिरफ्तारी के बाद उसके घर में आग लगाई

कोझिकोड (केरल)। केरल के कोझिकोड में यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पोक्सो) मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किए जाने के कुछ घंटों बाद ही पास के पय्योली तट पर स्थित उसके घर में कुछ अज्ञात लोगों ने आग लगा दी। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक आग लगाने की यह घटना पय्योली के अयिनिकड समुद्र तट इलाके में रहने वाले आरोपी टी मजीद को पोक्सो मामले के सिलसिले में पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए जाने के कुछ घंटों बाद हुई। पुलिस के मुताबिक टी मजीद के खिलाफ शुक्रवार दोपहर एक नाबालिग लड़की का यौन शोषण करने का मामला दर्ज किया गया था। आधी रात को उसके घर को आग के हवाले कर दिया गया। आग की लपटों में फूस की छत वाला घर लगभग जलकर खाक हो गया। घनी आबादी वाले तटीय इलाके में आस-पास के घरों में आग की लपटों को फैलने से रोकने के लिए दमकल कर्मियों को लगाया गया। आरोपी मजीद को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

चाइल्ड पोर्न के खिलाफ सीबीआई का ऑपरेशन मेघचक्र 20 राज्यों में 56 ठिकानों पर रेड

नई दिल्ली । बाल यौन शोषण से जुड़ी चीजों की ऑनलाइ शेयरिंग के खिलाफ सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन ने बड़ी कार्रवाई की। जांच एजेंसी ने 20 राज्यों के 56 ठिकानों पर दबिश दी है। सीबीआई की तरफ से इसे 'ऑपरेशन मेघचक्र' नाम दिया गया है। खबर है कि इंटरपोल सिंगापुर से मिले इनपुट और बीती साल अंजाम दिए गए ऑपरेशन कार्बन के दौरान हासिल की गई जानकारी के आधार पर छापे मारे गए हैं। सीबीआई ने सर्वयुलेशन ऑफ चाइल्ड सेक्सुअल एक्सप्लॉइटेशन मटेरियल के दो मामलों को लेकर एक्शन लिया गया है। खबर है कि अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए कथित तौर पर शेयर करने में शामिल लोगों की शुरुआती जानकारी इंटरपोल न्यूजीलैंड से मिली थी। सीबीआई ने सिंगापुर के जरिए यह खुफिया जानकारी हासिल की। इससे पहले साल 2021 में सीबीआई ने ऑपरेशन कार्बन को अंजाम दिया था। उस दौरान देशभर में 83 लोगों के खिलाफ 76 ठिकानों पर रेड की गई थी और कई गिरफ्तारियां की गई थीं। ऑपरेशन मेघचक्र के जरिए जांच एजेंसी को ऑनलाइन शेयर करने में शामिल लोगों का पता लगा रही है। खबर है कि इस तरह के रैकेट को एक व्यक्ति या एक संगठन के स्तर पर भी चलाया जाता है। ऑपरेशन का खास निशाना क्लाउट स्टोरेज फैसेलिटी है, जिनकी मदद से पैडलर नाबालिगों से जुड़ी यौन सामग्री को सर्क्युलेट करते हैं।

अंकिता हत्याकांड भाजपा ने पिता-पुत्रों को पार्टी से निकाला

नई दिल्ली । अंकिता भंडारी हत्याकांड में आरोपित पुलकित आर्य के बड़े भाई, अंकित आर्य को उत्तराखंड सरकार ने पिछड़ा वर्ग आयोग उपाध्यक्ष पद से हटा दिया है। समाज कल्याण विभाग की ओर से संबंधित आदेश जारी कर दिए गए हैं। साथ ही उन्हें अंकित और उनके पिता को भाजपा से निकाल दिया गया है। पुलकित आर्य के इस जघन्य वारदात में शामिल होने की घटना सामने आने के बाद, हरिद्वार निवासी उसके परिवार का सियासी दखल चर्चाओं में आ गया था। पुलकित के पिता विनोद आर्य, पूर्व में दर्जाधारी रह चुके हैं, जबकि उसका बड़ा भाई अंकित ओबीसी आयोग में उपाध्यक्ष था। अंकित की नियुक्ति इसी साल चुनाव आचार संहिता लगने से ठीक एक दिन पहले सात जनवरी को गई थी। लेकिन इस मामले में पुलकित आर्य की भूमिका सामने आने के बाद सरकार और संगठन पर कार्यवाही का दबाव बढ़ गया था। इसी क्रम में सरकार ने अंकित आर्य को तत्काल प्रभाव से पद मुक्त कर दिया है। इसी के साथ भाजपा ने भी अंकित आर्य और विनोद आर्य को पार्टी से निकाल दिया है। एम्स ऋषिकेश में अंकिता का पोस्टमार्टम किया गया। एम्स के बाहर भारी संख्या में प्रदर्शनकारी एकत्रित थे। एम्स पहुंची भाजपा विधायक रेनू बिष्ट को प्रदर्शनकारियों के विरोध का सामना करना पड़ा। प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और गाड़ी के शीशे तोड़ डाले। पुलिस ने बमुश्किल प्रदर्शनकारियों के बीच में से विधायक बिष्ट को निकाला।

कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव लड़ रहे लोगों पर टिप्पणी से परहेज किया जाना चाहिए: सिंघवी

नयी दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने शनिवार को कहा कि पार्टी के अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के बारे में टिप्पणी करने से पार्टी नेताओं को परहेज करना चाहिए। उन्होंने यह बात ऐसे समय कही है जब पिछले दिनों पार्टी प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने अध्यक्ष पद के चुनाव में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का खुलकर समर्थन किया था और लोकसभा सदस्य शशि थरूर पर निशाना साधा था। वल्लभ के बयान बाद पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने नसीहत दी थी कि सभी प्रवक्ता उम्मीदवारों के संदर्भ में टिप्पणी से परहेज करें। सिंघवी ने ट्वीट किया, ''जयराम रमेश से पूरी तरह सहमत हूं। कांग्रेस के साथियों को पार्टी के अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने वालों पर टिप्पणी करने से बचना चाहिए। हमें निष्पक्ष सोच वाली अभिव्यक्ति की लोकतांत्रिक स्वतंत्रता को बनाए रखना चाहिए। पार्टी ने हमेशा इसकी पैरोकारी की है।'' कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव में अशोक गहलोत और शशि थरूर के बीच मुकाबले की बढ़ती संभावना के बीच पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने बृहस्पतिवार को राजस्थान के मुख्यमंत्री का खुलकर समर्थन किया था। गौरव वल्लभ ने इसके साथ ही थरूर को आड़े हाथों लेते हुए कहा था कि उन्होंने पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी के अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान उन्हें पत्र लिखकर उन (वल्लभ) जैसे कार्यकर्ताओं को कष्ट पहुंचाया और इसलिए वह गहलोत का समर्थन करेंगे। इसके बाद रमेश ने पार्टी के प्रवक्ताओं एवं संचार विभाग के अन्य पदाधिकारियों से कहा था कि वे अध्यक्ष पद के उम्मीदवारों के बारे में किसी भी तरह की टिप्पणी से परहेज करें।

पेट दर्द की शिकायत लेकर पहुंची महिला, डॉक्टरों ने दोनों किडनी निकाली

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर में डॉक्टर ने महिला की दोनों किडनी निकाल ली। दरअसल, महिला पेट दर्द की शिकायत के बाद डॉक्टर के पास पहुंची थी। डॉक्टर ने कहा कि यूट्रस खराब हो गया है, ऑपरेशन करना होगा। इसके बाद परिवार वालों ने 30 हजार रुपए जमा कर महिला को भर्ती करा दिया। ऑपरेशन हुआ, लेकिन इसके बाद महिला की तबीयत और खराब होने लगी। तबीयत जब ज्यादा खराब हुई, तब परिवार वालों ने महिला को पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (पीएमसीएच) लेकर पहुंच गए। यहां जांच हुआ। जांच में पता चला की महिला की दोनों किडनी गायब है। उसकी दोनों किडनी नहीं है। ये बात सुनकर महिला के घर वाले चौंक गए। ।

जिस डॉक्टर के पास महिला इलाज कराने पहुंची थी। वहां मुजफ्फरपुर में शुभकांत क्लीनिक के नाम से अपना क्लिनिक चलाता है। मामले की शिकायत परिवारवालों ने पुलिस से की। पुलिस ने शुभकांत क्लिनिक के संचालक पवन के खिलाफ ह्यूमन ऑर्गन ट्रांसप्लांट एक्ट और एचसीएससी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। ये घटना मुजफ्फरपुर जिले के बरियारपुर ओपी के बाजी कस्बे का बताया जा रहा है। मुजफ्फरपुर अस्पताल के खिलाफ दो प्राथमिकी के बावजूद अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। एक अधिकारी ने कहा, अस्पताल न पंजीकृत था, न ही कोई योग्य डॉक्टर था। उन्होंने बताया कि जिस तरह से किडनी निकाली गई है, वह कोई डॉक्टर नहीं कर सकता है। किसी सीखने वाले ने ऐसा किया है, क्योंकि ट्रांसप्लांट करने के लिए जिस तरह से किडनी निकाली जाती है उस तरह से नहीं किया गया है।

भष्ट्राचार करने वाली कांग्रेस भष्ट्राचार के खिलाफ अभियान चला रही - बोम्मई

बेंगलुरु । कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा कि कांग्रेस पार्टी, जिसकी सरकार के दौरान हर कदम पर घोटाले होते हैं, उन्हें भ्रष्टाचार के बारे में बात करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। राज्य विधानमंडल के दस दिवसीय सत्र के समापन पर बोम्मई ने विपक्षी दल पर तंज कसते हुए कहा, भाजपा ने कांग्रेस के भ्रष्टाचार पर एक किताब का विमोचन किया था और भ्रष्ट होकर वहां भ्रष्टाचार पर अभियान चला रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस को भाजपा में भ्रष्टाचार पर अपने आरोपों को सबूतों के साथ पेश करने की चुनौती दी और विवरण प्रदान किए जाने पर जांच शुरू करने का वादा किया। बोम्मई ने कहा, कॉन्ट्रैक्टर्स एसोसिएशन द्वारा लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों पर विस्तृत जवाब दिया गया है। कांग्रेस सोचती है, कि एक बात बार-बार सच हो जाएगी लेकिन वह समय चला गया है। लोग जानते हैं कि सच क्या है। उस एसोसिएशन ने एक साल पहले पत्र लिखा था। शिकायत के साथ सबूत दिए जाने चाहिए। बहुप्रतीक्षित मंत्रिमंडल विस्तार के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा कि इस आलाकमान के संज्ञान में लाया गया है, उन्होंने वादा किया है कि यह जल्द से जल्द होगा।

'इतिहास में ऐसा पल दोबारा नहीं आएगा',

अमित शाह बोले- यह जनता को लक्ष्य तय करने का काल है

पूर्णिया (बिहार)। (एजेंसी)।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह बिहार दौरे पर हैं। उन्होंने बिहार में आजादी के अमृत महोत्सव पर आयोजित 'सुन्दर सुभूमि' कार्यक्रम को संबोधित किया। अपने संबोधन में अमित शाह ने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव एक ऐसा पल है जो इतिहास में दोबारा नहीं आएगा। समय आगे बढ़ता है, इसलिए बीता हुआ पल वापस नहीं आता है। हम सभी बहुत सौभाग्यशाली हैं कि हम उस वर्ष में हैं, जिस वर्ष को आजादी के अमृत महोत्सव के रूप में जाना जाता है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले दुनिया की अर्थतंत्र की तालिका में भारत 11वें स्थान पर था। आज आजादी के अमृत महोत्सव में भारत पांचवें स्थान पर आ गया है।

वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि भारत ने दुनिया को बताया है कि 75 वर्ष में हमने हमारे पुरुषार्थ से, धैर्य से और सही मार्ग से आगे निकलकर दिखाया है। जो कहते थे कि अगर अंग्रेज चले जाएंगे तो देश बिखर जाएगा, मगर उसी अंग्रेजों के देश से आगे निकलकर आज हिंदुस्तान ने आजादी को सार्थक करने का काम किया है। अपने संबोधन में अमित शाह ने कहा कि ये अमृत काल देश की जनता को लक्ष्य तय करने का काल है। देश के सभी युवाओं से कहना चाहता हूं कि देश के लिए आप अपने जीवन का एक लक्ष्य जरूर तय कर लेना, एक संकल्प जरूर ले लेना। वहीं, अमित शाह ने भारत-नेपाल सीमा की फतेहपुर बॉर्डर आउटपोस्ट पर सशस्त्र सीमा बल के बहादुर कर्मियों के साथ संवाद किया।

सवाद के दौरान उन्होंने कहा कि सशस्त्र सीमा बल के बहादुर जवानों ने अपने साहस और पराक्रम से एक लंबी लड़ाई लड़कर देश के पूर्वी क्षेत्रों से वामपंथी उग्रवाद को जड़ से समाप्त करने में अतुलनीय योगदान दिया है। सशस्त्र बलों के त्याग, समर्पण व बलिदान को कृतज्ञ राष्ट्र कभी भुला नहीं पाएगा। गृह मंत्री ने कहा कि मोदी जी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद सीमा पर आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देकर सीमाओं की सुरक्षा के प्रति अपने संकल्प को दर्शाया है। 2008-2014 तक सीमा इन्फ्रास्ट्रक्चर का जो बजट मात्र रू.23700 करोड़ था उसे बढ़ाकर नरेंद्र मोदी जी ने 2014-2020 में रू.44600 करोड़ किया है। इसके अलावा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह किशनगंज में एसएसबी, बीएसएफ और आईटीबीपी के डीजी के साथ सीमा सुरक्षा की समीक्षा की।

जावड़ेकर ने पीएफआई की हड़ताल में हुई हिंसा की निंदा की, असम के मुख्यमंत्री ने प्रतिबंध की मांग की

कोच्चि/गुवाहाटी। (एजेंसी)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता प्रकाश जावड़ेकर नेपॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) प्रायोजित हड़ताल के दिन केरल में हुई हिंसा की निंदा की और माकपा पर निशाना साधते हुए शनिवार को कहा कि राज्य की वाम सरकार इन हमलों के लिए समान रूप से जिम्मेदार है। उधर, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि उनकी सरकार केंद्र सरकार से लगातार अनुरोध कर रही है कि वह कथित तौर पर 'आतंकवादी गतिविधियों के लिए माहौल तैयार करने' के कारण पीएफआई को प्रतिबंधित करे। केरल में भजपा प्रभारी जावड़ेकर ने कहा कि पीएफआई के खिलाफ छापेमारी 15 राज्यों में की गई, लेकिन हिंसा केवल इस दक्षिणी राज्य में हुई। आतंकवाद से जुड़ी गतिविधियों का कथित रूप से समर्थन करने को लेकर संगठन के खिलाफ राष्ट्रीय अन्वेषण अधिकरण (एनआईए) की अगुवाई में की गई देशव्यापी छापेमारी के खिलाफ पीएफआई ने शुक्रवार को सुबह से शाम तक हड़ताल का आह्वान किया था। हड़ताल के दौरान राज्य के कई हिस्सों में हिंसा हुई थी और उग्रदवियों ने सरकारी और निजी वाहनों को निशाना बनाया था। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि केरल में पीएफआई और माकपा आपस में मिले हुए हैं जिसके कारण राज्य को पूरी तरह अराजकता का सामना करना पड़ा। जावड़ेकर ने कहा, ''कल का दिन केरल के लिए काला दिन था क्योंकि राज्यभर में लोगों को समस्याओं का समाना करना पड़ा। पीएफआई कार्यकर्ता हिंसा में शामिल थे और बस यात्रियों पर हमले किये गये। हम पीएफआई के बर्बर हमले की हिंसा करते हैं।

मुरादाबाद और उत्तराखंड की घटनाओं ने सबका दिल दहला दिया है: राहुल गांधी

मुरादाबाद (एजेंसी)।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश के मुरादबाद में एक लड़की से कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार और उत्तराखंड में एक लड़की की कथित हत्या की घटना पर दुख जताते हुए शनिवार को कहा कि इन मामलों ने सबका दिल दहला दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि देश तभी आगे बढ़ेगा, जब महिलाएं सुरक्षित होंगी। इन दिनों 'भारत जोड़ो यात्रा' निकाल रहे राहुल गांधी ने ट्वीट किया, ''मुरादाबाद और उत्तराखंड में युवतियों के साथ जो घटनाएं हुई हैं, उन्होंने सबका दिल दहला दिया है। भारत जोड़ो यात्रा में, मैं कई प्रतिभाशाली बच्चियों और युवतियों से मिल रहा हूं, उन्हें सुन रहा हूं। एक बात साफ़ है, हमारा भारत तब ही आगे बढ़ेगा, जब देश की महिलाएं सुरक्षित होंगी। उत्तराखंड के पौड़ी जिले के यमकेश्वर क्षेत्र में एक रिजॉर्ट से पांच दिन पहले संदिग्ध परिस्थितियों में लापता 19 वर्षीया अंकिता भंडारी का शव एक नहर से बरामद हुआ है। उसकी हत्या के आरोप में शुक्रवार को एक भाजपा नेता के रिजॉर्ट संचालक पुत्र और उसके दो अन्य कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया था। पौड़ी के श्रीकोट की रहने वाली अंकिता भोगपुर क्षेत्र में वनतारा रिजॉर्ट में रिसेप्शनिस्ट के तौर पर काम करती थी और 19 सितंबर से लापता थी। पिछले दिनों उत्तर प्रदेश में मुरादाबाद जिले के भोजीपुर इलाके की एक कथित सामूहिक बलात्कार पीड़िता का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें वह कथित तौर पर सड़क पर निर्वस्त्र स्थिति में दिखाई देती है। पुलिस ने कहा कि घटना एक सितंबर को भोजपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में हुई थी और पीड़िता के रिश्तेदार द्वारा सात सितंबर को दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

आसमानी आफत बनकर आई बरसात भूस्खलन के बाद गंगोत्री चारधाम यात्रा पर रोक

नई दिल्ली । उत्तराखंड में लगातार हो रही बारिश आफत बनती जा रही है। भारी बरसात के बाद लगातार हो रहे भूस्खलन की वजह से गंगोत्री चारधाम यात्रा पर रोक लगा दी गई है। प्रशासन द्वारा अगले दो दिनों तक गंगोत्री चारधाम यात्रा पर रोक लगाई गई है। वहीं दूसरी ओर, चारधाम यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं को सावधान रहने की भी हिदायत दी गई है। मौसम विभाग ने बारिश पर अलर्ट जारी किया है। उत्तराखंड में अगले दिन कई जिलों के लिए बारिश पर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, जबकि कुछ जिलों में भारी बारिश की भी चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार को उत्तरकाशी, चमोली, बागेश्वर, पिथौरागढ़, ऊधमसिंहनगर व हरिद्वार जिले में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश होने की आशंका है। उत्तरकाशी जिले में बारिश के कारण भटवाड़ी से आगे हेलगूगाड़ के पास पिछले 40 घंटों से बंद गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग को वाहनों की आवाजाही के लिए खोल दिया गया है। राजमार्ग खुलने से जगह-जगह फंसे हजारों यात्रियों ने राहत की सांस ली। इसके साथ ही गंगोत्री धाम की यात्रा फिर से चालू हो गई है। भारी बारिश के कारण बीते बुधवार रात को हेलगूगाड़ के पास भारी मात्रा में मलबा आने से गंगोत्री हाईवे पर आवाजाही बंद हो गई थी। हालांकि राजमार्ग कुछ देर खुलने के बाद गुरुवार सुबह को बंद हो गया।अब मार्ग खुल गया है। यमुनोत्री हाईवे पर शुक्रवार दोपहर बाद डबरकोट के पास मलबा आने से आवाजाही बंद हो गई है।

विधानसभा में मोबाइल पर गेम खेल रहे थे विधायक, अखिलेश ने ट्वीट किया वीडियो, भाजपा पर साधा निशाना

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश में विधानसभा का सत्र चल रहा है। आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी देखने को मिल रहा है। विपक्षी समाजवादी पार्टी लगातार भाजपा पर हमलावर है। इन सबके बीच भाजपा के एक विधायक विधानसभा में मोबाइल पर गेम खेलते नजर आ रहे हैं। इसका वीडियो समाजवादी पार्टी की ओर से ट्वीट किया गया है। बाद में इस वीडियो को अखिलेश यादव ने भी अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से वीडियो को ट्वीट किया। अखिलेश ने इस वीडियो के बहाने भाजपा पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा। अखिलेश का दावा है कि गेम खेलने वाले विधायक भाजपा से हैं। अखिलेश ने अपने ट्वीट में लिखा कि भाजपाई विधायक उप्र विधानसभा के सत्र में खेल रहे हैं ताश और कर रहे हैं प्रदेश का नाश। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा के उन विधायक जी को धन्यवाद जिन्होंने पीछे से ये वीडियो बनाकर व वाइरल कर जनहित का काम किया। अब देखना ये है कि मुख्यमंत्री जी इन मा. विधायकजी पर 'नैतिक बुलडोजर' कब चलाएँगे? वहीं समाजवादी पार्टी की आधिकारिक ट्विटर हैंडल से लिखा गया कि महोबा से भाजपा विधायक विधानसभा में तीन पत्ती गेम खेल रहे। कर्नाटक में भाजपा विधायक मोबाइल पर पोर्न देखते पाए गए थे। भाजपा विधायकों को जनसमस्याओं से कोई लेना देना नहीं, ये सिर्फ भ्रष्टाचार, बलात्कार, फालतू गेम्स में संलिप्त हैं, ये भाजपाई जनसेवक और जनप्रतिनिधि हैं? शर्मनाक!

शहबाज शरीफ के सुर में सुर मिला रहीं महबूबा मुफ्ती

जम्मू (एजेंसी)।

जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के सुर में सुर मिलाती नजर आई हैं। शनिवार को उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान के पीएम ने जम्मू-कश्मीर के मसले को हल करने और दोनों देशों के रिश्तों को अच्छा करने की बात कही तो यह होना चाहिए। महबूबा ने कहा, 'जैसे वाजपेयी जी के समय दोनों देशों ने बैठकर बात की थी, वैसे ही दोनों देश जम्मू-कश्मीर का हल निकालें तो यह देश के लिए भी अच्छा होगा। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि जम्मू-कश्मीर का मामला उलझा हुआ है। उन्होंने कहा, 'जम्मू-कश्मीर का मसला जटिल है। इसे जेल में तब्दील कर दिया गया है। यहां अब आए दिन मुठभेड़ होती रहती है। इस मसले को सुलझाना जरूरी हो गया है।' बता दें कि पीडीपी चीफ ने अनंतनाग में मीडिया कर्मियों के सवालों का जवाब देते हुए ये बाते कहीं। गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा में जम्मू-कश्मीर को लेकर झूठ फैलाने पर भारत ने फिर पाकिस्तान को लताड़ लगाई है। संयुक्त राष्ट्र में भारत मिशन के प्रथम सचिव मिजिटो विनिटो ने कहा कि यह खेदजनक है कि पाकिस्तान के पीएम ने इस सभा में भारत पर झूठे आरोप लगाए। उन्होंने अपने देश में दुष्कर्मों को छिपाने और भारत के खिलाफ कार्रवाई को सही ठहराने के लिए ऐसा किया। भारतीय राजनयिक मिजिटो विनिटो ने भारत के खिलाफ झूठे आरोप लगाने से पहले पाकिस्तान को अपने गिरेबान में झांकने की याद दिलाई। विंटो ने जोर देकर कहा कि जम्मू-कश्मीर पर दावा करने के बजाय इस्लामाबाद को सीमा पार आतंकवाद को रोकना चाहिए। उन्होंने कहा, 'जब अल्पसंख्यक समुदाय की हजारों की संख्या में युवा महिलाओं को एसओपी के रूप में अपहरण कर लिया जाता है, तो हम इस मानसिकता के बारे में क्या निष्कर्ष निकाल सकते हैं?' दरअसल, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शुक्रवार को कहा था कि पाक भारत सहित अपने सभी पड़ोसियों के साथ अमन चाहता है, लेकिन दक्षिण एशिया में स्थायी शांति व स्थिरता कश्मीर मुद्दे के उचित समाधान पर निर्भर करती है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के उच्च स्तरीय सत्र को संबोधित करते हुए शरीफ ने दावा किया, 'जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को बदलने के लिए 5 अगस्त, 2019 को भारत के अवैध और एकतरफा कदम ने शांति की संभावनाओं को और कमतर किया है और क्षेत्रीय तनाव को भड़काया है।

देश की चुनावी व्यवस्था, प्रक्रिया में बड़े और कड़े सुधार की जरूरत: मुख्तार अब्बास नकवी

लखनऊ। (एजेंसी)।

पूर्व केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने शनिवार को यहां कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय, 'राजनैतिक शुद्धीकरण' और 'सियासी शुचिता के संस्थान' हैं और चुनाव सुधार की दिशा में उनके सिद्धांत सार्थक सबक हैं। नकवी ने कहा कि देश की चुनावी व्यवस्था, प्रक्रिया में बड़े और कड़े सुधार की जरूरत है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय सेवा प्रतिष्ठान द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर यहां आयोजित गोष्ठी को संबोधित करते हुए नकवी ने कहा कि वक्त की जरुरत के हिसाब से विभिन्न चुनावी सुधारों के साथ एक देश एक मतदाता सूची पर भी काम की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि पंचायत, नगर निगम, नगर पालिका, विधानसभा, लोकसभा एवं अन्य चुनावों की अलग-अलग मतदाता सूचियां भ्रम ही नहीं, मतदाता सूची की विश्वसनीयता पर सवाल भी खड़े करती हैं। नकवी ने कहा कि एक देश एक वोटर लिस्ट और एक देश एक वोटर कार्ड इस समस्या का समाधान कर सकता है। यहां जारी एक बयान के अनुसार नकवी ने कहा कि वर्ष 2000 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के समय कई महत्वपूर्ण चुनाव सुधार हुए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भी चुनाव सुधार की दिशा में कई पहल की गयी और चुनावों में राजनैतिक दलों, उम्मीदवारों द्वारा काले धन के इस्तेमाल पर नियंत्रण एवं आर्थिक पारदर्शिता के लिए मोदी सरकार ने चुनावी बॉड की कानूनी व्यवस्था बनाई।

उन्होंने बताया कि मोदी सरकार द्वारा चुनावी सुधारों में मतदाताओं के मताधिकार को सरल-सुलभ करना, मतदाता पहचान पत्र का विस्तार, धन-बल पर कानूनी अंकुश, नॉन सीरियस उम्मीदवारों और पार्टियों पर दिशा निर्देश, एवं एक देश, एक चुनाव का आह्वान भी शामिल है। नकवी ने कहा कि चुनावी राजनीति में धन-बल, बाहुबल के प्रति देश को सचेत करते हुए पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने स्पष्ट संदेश दिया, हमें सही व्यक्ति को वोट देना चाहिए। अवसरवाद जो आज की सियासत का सिद्धांत बन गया है उसके गम्भीर खतरों के प्रति जागरूक करते हुए दीनदयाल उपाध्याय ने कहा कि, अवसरवाद से राजनीति के प्रति लोगों का विश्वास खत्म होता जा रहा है।' भाजपा नेता ने कहा कि एकात्म मानववाद और अंत्योदय, प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शक सिद्धांत हैं। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद के दर्शन और अंत्योदय की विचारधारा को मोदी ने सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के संकल्प का हिस्सा बनाया। दीनदयाल उपाध्याय और उनकी आर्थिक नीतियों ने हमेशा गरीबों की भलाई पर जोर देने की बात की है। इस मौके पर उप्र के पूर्व उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा, पूर्व मंत्री अम्मार रिजवी, दीनदयाल उपाध्याय सेवा प्रतिष्ठान के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण मिश्र, प्रदेश भाजपा प्रवक्ता हरीश चंद्र श्रीवास्तव और संजय चौधरी उपस्थित रहे।

आईएमएफ से राहत पैकेज पाने के लिए कर्जदाताओं का सहयोगी जरूरी है: श्रीलंका

कोलंबो। गहरे वित्तीय संकट का सामना कर रहे श्रीलंका की सरकार ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) से बेहद जरूरी राहत पैकेज पाने के लिए श्रीलंका को कर्ज देने वाली संस्थाओं एवं देशों का सहयोग काफी अहम होगा। आईएमएफ ने गत एक सितंबर को श्रीलंका को 2.9 अरब डॉलर का कर्ज देने की घोषणा की थी। चार साल की अवधि वाला यह कर्ज श्रीलंका को अभूतपूर्व आर्थिक संकट से उबरने में मदद करने के लिए देने का ऐलान आईएमएफ ने किया था। आईएमएफ से राहत पैकेज मिलने से श्रीलंका की क्रेडिट रेटिंग में सुधार आने की उम्मीद है। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय कर्जदाताओं एवं निवेशकों का भरोसा भी बढ़ने की संभावना है। श्रीलंका की सरकार ने शुक्रवार को अपने कर्जदाताओं के साथ एक ऑनलाइन बैठक में कहा कि द्विपक्षीय कर्जदाताओं से गारंटी मिलना इस राहत पैकेज को मुद्राकोष के निदेशक मंडल की मंजूरी के लिए पूर्व-शर्त है। दिसंबर के मध्य तक इस राहत पैकेज को लागू करने की संभावना है। मुद्राकोष उन देशों को कर्ज नहीं देता है जिनका कर्ज टिकाऊ नहीं नजर आता है। ऐसी स्थिति में जरूरी है कि श्रीलंका एक अग्रिम समग्र कर्ज निपटान का रास्ता अपनाए। श्रीलंका सरकार ने कर्जदाताओं के साथ बैठक में कहा, ''व्यावहारिक तौर पर इसके लिए द्विपक्षीय कर्जदाताओं से वित्तीय गारंटी दिए जाने की जरूरत है। ऐसा होने पर आईएमएफ को सुविधा का एक संतोषजनक स्तर हो सकेगा ताकि द्विपक्षीय कर्जदाता सार्वजनिक ऋण के टिकाऊपन को बहाल करने की कोशिश को समर्थन दे सकें।

अमेरिका ने ताइवान और रूस के मुद्दे को लेकर चीन पर कूटनीतिक दबाव बढ़ाया

न्यूयॉर्क। अमेरिका के जो बाइडन प्रशासन ने शुक्रवार को चीन पर ताइवान के खिलाफ उकसावे वाली कार्रवाई बंद करने के लिए कूटनीतिक दबाव तेज कर दिया। इसके साथ ही अमेरिका ने चीन को यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस को किसी भी तरह की सहायता नहीं देने के प्रति आगाह किया। न्यूयॉर्क में चल रही संयुक्त राष्ट्र महासभा की वार्षिक बैठक से इतर अपने चीनी समकक्ष वांग यी के साथ शुक्रवार को हुई मुलाकात में अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने बाइडन प्रशासन का रुख दोहराया। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि ब्लिंकन के पिता का बृहस्पतिवार को निधन हो गया था, जिसके बाद उन्होंने कुछ ही बैठकों में हिस्सा लिया और चीनी विदेश मंत्री से मुलाकात उनमें से एक थी। ब्लिंकन के रुख पर चीन की क्या प्रतिक्रिया थी, इस पर अधिकारियों ने कुछ नहीं कहा। हालांकि, उन्होंने बताया कि चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने अमेरिका के संदेश का संज्ञान लिया। अधिकारियों ने कहा कि दोनों नेताओं ने 'विशेष रूप से तनाव के समय में संचार के रास्ते खुले रखने और जिम्मेदाराना ढंग से अमेरिका-चीन संबंधों को आगे ले जाने' की जरूरत को रेखांकित किया। ब्लिंकन और वांग के बीच बातचीत ऐसे समय में हो रही है, जब दोनों देशों के बीच विभिन्न मुद्दों को लेकर तनाव है और नवंबर में बाइडन और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच मुलाकात होने की संभावना जताई जा रही है।

अमेरिका ने अफगानिस्तान का प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी का दर्जा खत्म किया

वॉशिंगटन। काबुल की हुकूमत तालिबान के हाथों में जाने के एक साल से अधिक समय के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने अफगानिस्तान के एक प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी के दर्जे को समाप्त कर दिया है। अमेरिका ने 2012 में अफगानिस्तान को एक प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी (एमएनएनए) का दर्जा दिया था, जिसके माध्यम से दोनों देशों के बीच रक्षा और आर्थिक संबंध बरकरार थे। इस दर्जे के कारण अफगानिस्तान को रक्षा और सुरक्षा संबंधी बहुत सारी सहायता व सुविधाएं हासिल थीं। बाइडन ने विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन को भेजे एक ज्ञापन में कहा, ऽअमेरिका के संविधान और कानून के तहत राष्ट्रपति के रूप में मुझे प्राप्त शक्ति के अंतर्गत, जिसमें विदेशी सहायता अधिनियम 1961 भी शामिल है,ज मैं अफगानिस्तान को दिए गए प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी के दर्जे को समाप्त करता हूं।ऽ एमएनएनए का दर्जा पहली बार 1987 में शुरू किया गया था। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के अनुसार, अफगानिस्तान का एमएनएनए दर्जा समाप्त किए जाने के बाद अब अमेरिका के 18 प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी रह गए हैं। इनमें अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, बहरीन, ब्राजील, कोलंबिया, मिस्र, इजराइल, जापान, जॉर्डन, कुवैत, मोरक्को, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, फिलिपीन, कतर, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड और ट्यूनीशिया शामिल हैं। विदेश विभाग के मुताबिक, ताइवान को औपचारिक दर्जा दिए बगैर भी अमेरिका के गैर-नाटो सहयोगी के रूप में माना जाता है।

विक्रम दुरैस्वामी ने ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त के रूप में अपना कार्यभार संभाला

लंदन। ब्रिटेन में भारत के नये उच्चायुक्त विक्रम दुरैस्वामी शुक्रवार को यहां पहुंचे और उन्होंने पार्लियामेंट स्क्वायर पर महात्मा गांधी की प्रतिमा एवं उत्तरी लंदन में आंबेडकर संग्रहालय में श्रद्धांजलि अर्पित कर अपना नया पदभार संभाला। बांग्लादेश में उच्चायुक्त रहे दुरैस्वामी को इसी सप्ताह के प्रारंभ में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से अपने नये पद का परिचय पत्र मिला था। पिछले महीने विदेश मंत्रालय ने उन्हें ब्रिटेन में भारत का उच्चायुक्त नियुक्त करने की घोषणा की थी। भारतीय विदेश सेवा के 1992 संवर्ग के राजनयिक दुरैस्वामी का यहां पहुंचने पर ब्रिटेन के विदेश मंत्री की विदेश प्रतिनिधि ऐडेली टेलर और उप उच्चायुक्त सुजीत घोष एवं अन्य अधिकारियों ने स्वागत किया।

लंदन में इंडिया हाऊस ने दुरैस्वामी द्वारा श्रद्धांजलि दिये जाने की तस्वीरें साझा करते हुए ट्वीट किया, '' हवाई अड्डे से उच्चायुक्त विक्रम दुरैस्वामी सीधे लंदन के पार्लियामेंट स्क्वायर पर स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे। '' उसने लिखा, '' बापू से बाबा आंबेडकर तक: उच्चायुक्त विक्रम दुरैस्वामी भारत के संविधान के शिल्पी तथा समता एवं सामाजिक न्याय के प्रवर्तक आंबेडकर को श्रद्धांजलि देने लंदन के आंबेडकर संग्रहालय गये।'' दुरैस्वामी ने गायत्री इस्सर कुमार की जगह ली है जो जून के आखिर में ब्रिटेन में भारत के उच्चायुक्त पद से सेवानिवृत हुईं। दुरैस्वामी ने अपने परिचय पत्र की प्रतियां शुक्रवार को लंदन में ब्रिटेन के डिप्लोमैटिक कोर के वाइस मार्शल को सौंपी जिन्होंने उन्हें नये भारतीय दूत के रूप में आधिकारिक रूप से मान्यता दी। 53 वर्षीय दुरैस्वामी ने दिल्ली विश्वविद्यालय से इतिहास में स्नातोकोत्तर किया है और सरकारी सेवा में जाने से पहले उन्होंने पत्रकार के रूप में भी काम किया। वह हांगकांग, बीजिंग, संयुक्त राष्ट्र समेत दुनियाभर में भारतीय मिशनों एवं दूतावासों में अलग अलग पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। वह प्रधानमंत्री कार्यालय एवं विदेश मंत्रालय में विभिन्न पदों पर काम कर चुके हैं।

काबुली में एक मस्जिद के पास कार बम विस्फोट में सात की मौत और 41 घायल

काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में एक मस्जिद के समीप कार बम विस्फोट में कम से कम सात लोगों की मौत हो गयी जबकि कई बच्चों समेत 41 अन्य घायल हो गये। तालिबान के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। किसी भी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। सालभर पहले अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता पर काबिज होने के बाद से इस तरह के एक के बाद कई हमले हुए हैं। शहर के राजनयिक क्षेत्र में आज इस विस्फोट के बाद आसमान में काला धुंआ छा गया और इस दौरान कई मिनट तक गोलियों की आवाज सुनी गयी। गृहमंत्रालय में तालिबान द्वारा नियुक्त प्रवक्ता अब्दुल नाफी टाकोर ने बताया कि मस्जिद के समीप सड़क के किनारे विस्फोटकों से लदी एक गाड़ी खड़ी की गयी थी और जुमे की नमाज के बाद नमाजी जब मस्जिद से बाहर आ रहे थे तब उसमें विस्फोट कराया गया। टाकोर ने कहा कि पुलिस मौके पर है और जांच चल रही है। यहां इटालियन इमरजेंसी अस्पताल ने पहले बताया था कि उसके यहां 14 घायलों को लाया गया जिनमें चार ने अस्पताल पहुंचने के बाद दम तोड़ दिया। काबुल पुलिस प्रमुख के प्रवक्ता खालिद जदरान ने बताया कि जुमे के नमाज के बाद वजीर अकबर खान मस्जिद से जा रहे नमाजियों को निशाना बनाकर यह धमाका किया गया था। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा, '' मस्जिदों एवं नमाजियों को निशाना बनाना अक्षम्य अपराध है। देश को अपराधियों का सफाया करने में शासन का साथ देना चाहिए। इस बीच काबुल में संयुक्त राष्ट्र मिशन ने ट्वीट किया कि बम हमला ''अफगानिस्तान में चल रही असुरक्षा एवं आतंकी गतिविधि का एक अन्य कटु याद दिलाता है।'' उसने कहा, '' हमारी संवेदना मारे गये लोगों के साथ है। हम घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं।

ईरान की राजधानी तेहरान में शुक्रवार की प्रार्थना समारोह के बाद, ईरान में हालिया विरोध सभाओं के खिलाफ सरकार समर्थक लोगों की एक रैली। गौरतलब है कि 22 वर्षीय महसा अमिनी के मामले में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है, जिनकी गिरफ्तारी के बाद पिछले सप्ताह मृत्यु हो गई थी।

क्वॉड के सदस्य देशों ने संरा सुरक्षा परिषद के विस्तार की प्रतिबद्धता जताई

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधार की वकालत करने के कुछ दिन बाद क्वॉड समूह के देशों ने 15 सदस्यीय परिषद को स्थायी और गैर-स्थायी, दोनों श्रेणियों में विस्तार देने की प्रतिबद्धता जताई है। क्वॉड समूह में जापान, भारत, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक से इतर न्यूयॉर्क में चल रहे क्वॉड देशों के विदेश मंत्रियों के सम्मेलन के बाद जारी एक संयुक्त बयान में क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने का भी आह्वान किया गया।

जाहिर है कि इसका इशारा चीन की तरफ था। बयान में कहा गया, 'हम संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार के एक समग्र एजेंडा को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसमें सुरक्षा परिषद की स्थायी और गैर-स्थायी सीटों को बढ़ाना शामिल है, ताकि वर्तमान वैश्विक चुनौतियों का सामना किया जा सके और भौगोलिक रूप से अधिक विविधता वाले दृष्टिकोण को अपनाया जा सके।' इस बैठक में सदस्य देशों के विदेश मंत्री- ऑस्ट्रेलिया के पेनी वोंग, भारत के एस जयशंकर, जापान के हयाशी योशिमासा और अमेरिका के एंटनी ब्लिंकन शामिल हुए। उन्होंने कहा, 'बैठक में संयुक्त राष्ट्र समेत विभिन्न अंतरराष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय संस्थाओं और व्यवस्थाओं को दबाने के प्रयासों से निपटने की जरूरत को रेखांकित किया गया।

समुद्र में चीन का खतरनाक पनडुब्बी प्लान, अमेरिका की मदद से ड्रैगन की जल समाधि बनाएगा ताइवान?

बीजिंग (एजेंसी)।

साउथ चाइना सी में जंग की तैयारी तेज हो गई है। चीन और अमेरिका में किसी भी वक्त संग्राम छिड़ सकता है क्योंकि अमेरिका के ताइवान स्टेट में घुसने से चीन बौखलाया हुआ है। अब उसने अमेरिका और ताइवान के खिलाफ साउथ चाइना सी में विनाशक हथियारों को तैनात कर दिया। अमेरिका और नाटो के जंगी जहाजों के ताइवान स्टेट में आने से चीन का पारा हाई हो गया है। अमेरिका की धमकी से ड्रैगन बौखला गया है। वहीं ताइवान ने भी चीन के प्लान को नेस्तोनाबूद करने की तो जैसे ठान ली है। कुल मिलाकर कहें तो साउथ चाइना सी में ताइवान स्टेट में महासंग्राम का अलार्म बच चुका है।

अमेरिका का डेस्टर जैसे ही ताइवान स्टेट में घुसा तो चीन के वॉर शिप ने उसका पीछा करना शुरू कर दिया। लेकिन इतने से ही चीन का गुस्सा कम नहीं हुआ। उसने ताइवान में ताबड़तोड़ अपने जंगी जेट और जहाजों की फौज भेजकर धमकाना शुरू कर दिया। चीन की बौखलाहट का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उसने पिछले कुछ घंटों में ही दो बार ताइवान की सीमा में घुसपैठ की। पचास से ज्यादा फाइटर जेट और 10 से ज्यादा वॉर शिप ताइवान की सीमा में घुसा दी। ताइवान स्टेट में चीन ने पूरी तरह जंग का मोर्चा तैयार कर दिया है। वहीं उसने अमेरिका के खिलाफ साउथ चाइना सी में चक्रव्यूह तैयार करना शुरू कर दिया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक साउथ चाइना सी में दो नए सबमरीन बेस बनाए गए हैं। ये सबमरीन बेस हेनान द्वीप के यूलिन नेवल बेस पर तैयार किए गए हैं। यूलिन नेवल पर पहले चार बेस थे जबकि अब इनकी संख्या 6 हो गई है। मेक्सार की सैटेलाइट तस्वीर से साउथ चाइना सी में चीनी साजिश का खुलासा हुआ है। पोत की संख्या के मामले में चीन की नौसेना दुनिया की सबसे बड़ी नौसेना है। वह सैन्य विस्तार के दृष्टिकोण से तेजी से नए युद्धपोत बना रहा है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए अभी से खुद को मजबूत करने में जुटा है। ताइवान पर अमेरिका ने जब से चीन को धमकाया है, तब से ड्रैगन ने समुद्र के भीतर अपनी युद्ध की तैयारियों को तेज कर दिया है।

ताइवान ने भी चीनी प्लान को नेस्तोनाबूद करने का प्लान बना लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बड़ा ऐलान किया है। 10 नए कार्बेट शिप बनाने का प्लान ताइवान ने बनाया है। वॉरशिप श्युंग फेंग II और III एंटी शिप मिसाइल से लैस होंगे। जो चीन के जहाजों की समुद्र में ही जलसमाधि बना देंगे।

रूस के कब्जे वाले क्षेत्रों में जनमत संग्रह के बीच, मास्को की सेना ने यूक्रेन पर ताजा हमले किये

कीव। (एजेंसी)।

यूक्रेन में रूस के कब्जे वाले इलाकों में मास्को द्वारा प्रायोजित जनमत संग्रह के बीच, रूसी सेनाओं ने शनिवार को यूक्रेन के शहरों पर ताजा हमले किये। जापोरिझिया के गवर्नर ओलेक्सांद्र स्तारुख ने कहा कि रूस ने दनिपर रिवर शहर को निशाना बनाया और एक मिसाइल एक अपार्टमेंट इमारत पर लगी जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। रूस की सेनाओं ने यूक्रेन के अन्य इलाकों को भी निशाना बनाया और आवासीय इमारतों पर हमले किये। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रूस ने उत्तरपूर्वी यूक्रेन में सिवरस्की दोनेट्स नदी पर बने पेचेनिहि बांध पर हमले किये। इससे पहले भी कृवि रिह के पास एक जलाशय पर बने बांध पर हमला किया गया था जिससे इनहुलेट्स नदी में बाढ़ आ गई थी।

टेन ने कहा, 'यूक्रेन की सेनाएं दोनों नदियों के पास धारा की दिशा में आगे बढ़ रही हैं।' मंत्रालय ने कहा, 'रूस के कमांडर अपनी नाकामी को लेकर चिंतित हैं और वे बांधों के स्लुइस गेट को निशाना बना सकते हैं ताकि यूक्रेन की सेना के सामने बाढ़ की चुनौती पैदा कर सकें।' इस बीच रूस के कब्जे वाले इलाकों में क्रेमलिन द्वारा प्रायोजित जनमत संग्रह जारी है जिसे यूक्रेन और उसके पश्चिमी सहयोगी देश फर्जी और अवैध करार दे रहे हैं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि मास्को, निवासियों के फैसले का स्वागत करेगा। यह इस बात का संकेत है कि जनमत संग्रह समाप्त होते ही क्रेमलिन तत्काल उन क्षेत्रों पर कब्जा स्थापित कर देगा।

शांति की बात करने वाला पाकिस्तान आंतकियों को पनाह देता हैं: भारत

जिनेवा (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में पाकिस्तान को करारा जवाब देकर भारत ने कहा कि जो देश अपने पड़ोसियों के साथ शांति चाहता हो, वह कभी सीमा पार आतंकवाद को प्रायोजित नहीं करेगा और मुंबई में 26/11 को हुए भयावह हमलों के साजिशकर्ताओं को पनाह नहीं देगा। भारत ने कहा कि पाकिस्तान ने 26/11 के हमलावरों के मुल्क में होने की जानकारी विश्व समुदाय के दबाव के बाद दी। भारत ने जवाब देने के अधिकार का इस्तेमाल करते हुए संयुक्त राष्ट्र महासभा में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के भाषण पर तीखी प्रतिक्रिया दी। पीएम शरीफ ने महासभा को संबोधित कर जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाया था। इसपर संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के प्रथम सचिव मिजितो विनितो ने कहा, ''यह खेदजनक है कि पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने महासभा के मंच का इस्तेमाल भारत पर झूठे आरोप लगाने के लिए किया।' युवा भारतीय राजनयिक ने कहा, शरीफ ने यह आरोप लगाया है, ताकि वह अपने देश के गलत कृत्यों को छिपा सकें और भारत के खिलाफ उठाए गए कदमों को न्यायोचित ठहरा सकें, जिन्हें दुनिया अस्वीकार्य मानती है।' गौरतलब है कि शरीफ ने दोहराया था कि पाकिस्तान भारत के साथ शांति चाहता है, लेकिन शांति तभी 'सुनिश्चित हो सकती है और उसकी गारंटी तभी होगी, जब संयुक्त राष्ट्र घोषणापत्र और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव के तहत कश्मीर मुद्दे का समाधान हो। इसके बाद भारत ने शरीफ के बयान पर प्रतिक्रिया देकर कहा, एक ऐसा देश, जो अपने पड़ोसियों के साथ शांति कायम करने का दावा करता है, वह कभी सीमा पार आतंकवाद को प्रायोजित नहीं करेगा, न ही मुंबई के भयावह आतंकवादी हमले के साजिशकर्ताओं को आश्रय देगा और उसने विश्व समुदाय के दबाव के बाद ही हमलावरों के मुल्क में होने की जानकारी सार्वजनिक की।''

'दुर्भिक्ष के दरवाजे पर दस्तक' : संयुक्त राष्ट्र खाद्य प्रमुख अब चाहते हैं कार्रवाई

न्यूयॉर्क। (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र के खाद्यान्न प्रमुख ने बृहस्पतिवार को आगाह किया कि दुनिया बहुत ही खराब स्थिति का सामना कर रही है। साथ ही उन्होंने,खासकर खाड़ी देशों और अरबपति दानदाताओं से इस संकट से उबरने के लिए कुछ दिनों का मुनाफा दान करने का अनुरोध भी किया, ताकि उर्वरक आपूर्ति के मौजूदा संकट और अगले साल होने वाली खाद्यान्न की कमी से निपटा जा सके। विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) के कार्यकारी निदेशक डेविड बेस्ली ने एसोसिएटेड प्रेस को दिये एक साक्षात्कार में कहा, ''अन्यथा, पूरी दुनिया में अराजकता पैदा होने वाली है।''

उन्होंने कहा, 'दुनिया भर में लोग पीड़ित हैं और मर रहे हैं। जब हर पांच सेकेंड में एक बच्चा भूख से मरता है तो हमें शर्म आनी चाहिए।'' बेस्ली ने कहा कि जब उन्होंने साढ़े पांच साल पहले डब्ल्यूएफपी की कमान संभाली थी, तब दुनिया भर में केवल आठ करोड़ लोग भुखमरी के कगार पर पहुंच रहे थे,लेकिन जलवायु समस्या के कारण यह संख्या बढ़कर 13.5 करोड़ पहुंच गयी है। उन्होंने कहा कि इसके बाद जब 2020 में कोविड-19 महामारी शुरू हुई तो यह संख्या 27.6 करोड़ तक पहुंच गयी है और इन लोगों को नहीं पता कि उनके लिए अगले पहर का भोजन कहां से आएगा।

बेस्ली ने कहा कि अंत में, रूस ने 24 फरवरी को यूक्रेन पर आक्रमण कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप युद्ध शुरू हुआ तथा खाद्य, उर्वरक और ऊर्जा संकट की स्थिति पैदा होने की वजह से यह संख्या 34.5 करोड़ तक जा पहुंची है। उन्होंने कहा, ''इनमें से 45 देशों के पांच करोड़ लोग दुर्भिक्ष के दरवाजे पर दस्तक दे रहे हैं। अगर हमने इन लोगों को सहायता नहीं पहुंचाई तो 2007-2008 तथा 2011 की तरह ही अकाल, भुखमरी, राष्ट्रों की अस्थिरता की स्थिति पैदा होगी और बड़े पैमाने पर पलायन होगा।'' बेस्ली विश्व के नेताओं से मिलते रहे हैं और खाद्य संकट के बारे में चेतावनी देने के लिए इस सप्ताह की आमसभा की बैठक से जुड़े कार्यक्रमों को संबोधित कर रहे हैं। डब्ल्यूएफपी प्रमुख ने कहा कि उन्होंने बुधवार रात अरबपतियों के एक समूह से भी मुलाकात की और उन्हें उनका 'नैतिक दायित्व' बताया।

ब्रिटेन में हिंदू खतरे में हैं? लिस्टर पुलिस ने नवरात्रि और दिवाली पर दिया सुरक्षा का भरोसा

लंदन। (एजेंसी)।

ब्रिटेन के लिस्टेर शहर में बीते कुछ दिनों से हिंदू-मुस्लिम समुदाय के बीच तनाव का माहौल बना हुआ है। भारत पाकिस्तान क्रिकेट मैच से शुरू हुआ तनाव हिंदू मुस्लिम दंगे में बदल चुका है। शहर में सांप्रदायिक झड़पें हुईं हैं। इसको देखते हुए भारतीय उच्चायोग ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। वहीं अब ब्रिटेन की पुलिस ने स्थानीय लोगों को पूरी सुरक्षा का भरोसा दिया है। लीसेस्टर पुलिस ने एक ट्वीट में हिंदू समुदाय से अपने आगामी त्योहारों की तैयारी करने को कहा है। हालांकि इस ट्वीट को भारतीय ट्विटर समुदाय से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली।

कश्मीर फाइल्स के निदेशक विवेक अग्निहोत्री ने कहा कि किसने सोचा था कि एक दिन ऐसा आएगा जब हिंदू समुदाय को अपने सबसे बड़े त्योहारों को मनाने के लिए पुलिस सुरक्षा की आवश्यकता होगी? यह पर्याप्त सबूत है कि दुश्मन हमारे आसपास है और खतरा सच में है। हालांकि यूके की गृह सचिव सुएला ब्रेवरमैन ने लीसेस्टर में पुलिस अधिकारियों और हिंदू और मुस्लिम समुदाय के नेताओं से मुलाकात की और उन्हें आश्वासन दिया कि हालिया हिंसक झड़पों के दोषी कानून की पूरी ताकत का सामना करेंगे।

भारतीय उच्चायोग ने क्या कहा

इस घटना पर भारतीय उच्चायोग ने दोषियों के खिलाफ कड़े एक्शन की मांग की है। लंदन में भारतीय उच्चायोग ने कहा कि हम लेस्टर में भारतीय समुदाय के खिलाफ हिंसा और हिंदू धर्म के परिसरों और धार्मिक प्रतीकों की तोड़फोड़ की निंदा करते हैं। हमने ब्रिटिश अधिकारियों के साथ इस मुद्दे को पुरजोर तरीके से उठाया है। लंदन पुलिस ने कहा है कि हम लेस्टर हिंसा, अव्यवस्था और अराजकता को बर्दाश्त नहीं करेंगे। हम शांति रखने और बातचीत से मुद्दा सुलझाने के हक में हैं।

संपादकीय

साख पर सवाल

एक आकलन के अनुसार, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो द्वारा विपक्षी राजनीतिक दलों के खिलाफ की जा रही जांच का आंकड़ा संप्रग सरकार के दौर के मुकाबले राजग सरकार के दौरान कहीं आगे निकल गया है। यद्यपि कांग्रेस का कार्यकाल कई दशक लंबा रहा है, लेकिन राजग के महज आठ वर्षों के कार्यकाल में ही यह वृद्धि देखी गई है

कुछ साल पहले की ही बात है कि देश की शीर्ष अदालत ने केंद्रीय जांच ब्यूरो की कारगुजारियों पर सख्त लहजे में टिप्पणी करते हुए आड़े हाथ लिया था। यहां तक कि उसे अपने मालिक की आवाज दोहराने वाले 'पिंजरे के तोते' की संज्ञा दी थी। मौजूदा दौर में सुप्रीम कोर्ट की यह गंभीर टिप्पणी हकीकत बनती नजर आने की बात कही जा रही है। एक आकलन के अनुसार, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो द्वारा विपक्षी राजनीतिक दलों के खिलाफ की जा रही जांच का आंकड़ा संप्रग सरकार के दौर के मुकाबले राजग सरकार के दौरान कहीं आगे निकल गया है। यद्यपि कांग्रेस का कार्यकाल कई दशक लंबा रहा है, लेकिन राजग के महज आठ वर्षों के कार्यकाल में ही यह वृद्धि देखी गई है। जिस दौर में कांग्रेस व उसके गठबंधन की सरकारें रहीं तो कुल 72 राजनीतिक नेताओं को सीबीआई जांच का सामना करना पड़ा था। जिसमें साठ फीसदी राजनेता विपक्ष से जुड़े हुए थे। वहीं दूसरी ओर वर्ष 2014 में सत्ता में आए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के महज आठ साल के कार्यकाल के दौरान अब तक कम से कम 124 प्रमुख राजनेता सीबीआई की जांच के दायरे में हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि इन राजनेताओं में कुल 118 विपक्षी दलों से हैं। ऐसे में सवाल उठाये जा रहे हैं कि करीब 95 फीसदी विपक्षी राजनेता ही सीबीआई की जांच के रडार पर क्यों हैं? केंद्रीय सत्ता द्वारा सीबीआई के दुरुपयोग का मुद्दा लगातार सार्वजनिक बहस में गाहे-बगाहे उठता रहता है। इसके बावजूद न तो सरकार पीछे हटती नजर आती है और न ही केंद्रीय जांच एजेंसी अपनी प्रतिष्ठा फिर हासिल करने के लिये प्रतिबद्ध नजर आती है। एक समय था कि जब किसी बड़े मामले की पुलिस और राज्यों की जांच एजेंसियों से जांच करवायी जाती थी तो एक सुर में मामले की तह तक जाने के लिये सीबीआई जांच की मांग पहले उठती थी। खासकर पेचीदा मामलों की तह तक जाने के लिये विश्वास था कि सीबीआई दूध का दूध और पानी का पानी कर देगी। निस्संदेह, हाल में सामने आये तथ्य इतने वास्तविक व तार्किक हैं कि सिर्फ विपक्षी दलों के खिलाफ मामले दर्ज होने को महज संयोग मानकर खारिज नहीं किया जा सकता। इस मामले में जांच एजेंसी के एक अधिकारी का वह दावा असंगत लगता है कि सिर्फ विपक्षी दलों के बड़े राजनेताओं को ही निशाना नहीं बनाया जा रहा है। अध्ययन में हासिल आंकड़े तो कम से कम यही बताते हैं कि विपक्षी दलों के राजनेताओं को सत्तारूढ़ दल के राजनैतिक लक्ष्यों को साधने के लिये निशाने पर लिया जा रहा है। केंद्रीय एजेंसी की कारगुजारियों के चलते वह ही खुद सार्वजनिक जांच के दायरे में आ रही है। जिसकी बानगी पश्चिम बंगाल की विधानसभा में पारित प्रस्ताव में नजर आती है। पश्चिम बंगाल विधानसभा में तृणमूल कांग्रेस ने राज्य में केंद्रीय जांच एजेंसी की अति सक्रिय कारगुजारियों के खिलाफ यह प्रस्ताव पारित किया था। सदन में राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य के भाजपा नेताओं पर सीबीआई व ईडी के साथ मिलकर अपनी योजनाओं को क्रियान्वित करने का आरोप लगाया था। बहरहाल, सवाल यह नहीं है कि राज्य में केंद्रीय जांच एजेंसी की अति सक्रियता राज्य के भाजपा नेताओं के इशारे पर हो रही है या केंद्र सरकार के दबाव में, महत्वपूर्ण यह है कि देश की बड़ी जांच एजेंसी का दुरुपयोग अस्वीकार्य है। जो इस राष्ट्रीय संस्था की बुनियाद को कमजोर करता है। कालांतर इससे देश का संवैधानिक व लोकतांत्रिक ढांचा भी कमजोर होता है। हाल के दिनों में कई राज्यों में विपक्षी दलों के राजनेता अपनी पार्टियां छोड़कर भाजपा में शामिल हुए हैं।

कार्टून

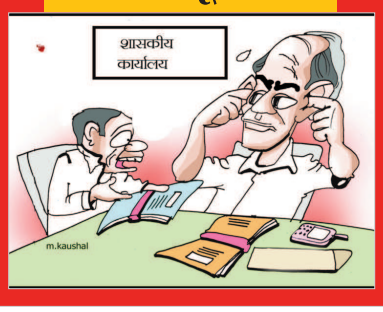

लॉफिंग ज़ोन

सुरजीत ने हनी का सालाना रिपोर्ट कार्ड देखा तो उस पर बुरी तरह बरस पड़ा, 'इतने कम नम्बर। शर्म नहीं आती ? यह हाल तब हैं जब मैंने तुम्हें कहा था कि अगर तुम अच्छे नम्बर लाओगे तो मैं तम्हें साइकिल ले दूंगा। क्या करते रहे, पढ़ने की बजाय ?'

'साइकिल चलाना सीखता रहा।' हनी दबे स्वर में बोला।

□ □ □

यात्री (तांगे वाले से), 'स्टेशन तक का कितना लोगे ?'

तांगे वाला, 'पांच रूपये और सामान मुफ्त ले चलूंगा।'

यात्री, 'अच्छा तो सामान ही ले चलो। मैं पैदल आता हूं।'

□ □ □

एक महिला ने फलों की दुकान पर फोन किया, 'मैंने एक दर्जन सेब मंगाए थे। आपने ग्यारह क्यों भेंजे हैं ?'

'बहन जी' जवाब मिला, एक सड़ा हुआ था। हमने फैंक दिया आपको भी तो फैंकना ही था।'

□ □ □

कल रात सर्कस का एक शेर पिंजरें से बाहर निकल गया। दर्शकों में अफरा-तफरी मच गई थी। सिर्फ रिंग मास्टर शांत था। 'वह कैसे ?' संता ने पूछा।

'रिंग मास्टर शेर के पिंजरें का दरवाजा भीतर से बंद कर लिया था।' बंता ने कहा।

एक महान कर्मयोगी पंडित दीनदयाल उपाध्याय

(25 सितंबर जन्म दिवस पर विशेष) (लेखक - मुकेश तिवारी)

(लेखक - मुकेश तिवारी)

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कहा था कि मुझे दो दीनदयाल जी मिल जाए तो मैं भारतीय राजनीति का मानचित्र बदल के रख दूंगा, भारतीय जनसंघ की स्थापना के दो वर्ष भी पूर्ण नहीं हो पाए थे काश्मीर आंदोलन के दौरान 23जून को डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान हो गया, आजाद भारत के नवगठित राजनीतिक दल का भार पूण तौर पर 36 वर्षीय दीनदयाल उपाध्याय जी के कंधे पर आ गया,वे निरंतर17 सालों तक भारतीय जन संघ के महामंत्री रहे और 18 में बर्ष में जन संघ के अध्यक्ष बने लेकिन नियति ने उन्हें हमसे छीन लिया.

पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जन्म उत्तर प्रदेश के चंद्रभान नामक ग्राम में 25 सितंबर 2016 को हुआ था ,आप की माता का नाम रामप्यारी एवं पिता का नाम भगवती प्रसाद था, उपाध्याय जी के बचपन में ही उनके पिता का निधन हो गया। फलत बचपन के उन सुहाने दिनों से वंचित हो गए ,जब खेलने और खाने की जगह उन्हें अभावों में जीना पड़ा,यही कारण था कि बचपन में ही कठिन परिस्थितियों से संघर्ष की और व्यावहारिक शिक्षा ग्रहण कर लेने के बाद जीवन में उन्होंने संघर्ष से कभी मुंह नहीं मोड़ा, पिता के निधन के पश्चात इनके नाना चुन्नीलाल उन्हें अपने गांव धनकिया ले आए ,जब नाना नौकरी छोड़ कर अपने पैतृक घर गुड़की मंडई आ गए, तो वे नाना के साथ गुडकी मंडई आ गए ,दीनदयाल जी के 9 वर्ष के होने के बाद भी उनके अध्ययन की कोई संमुचित व्यवस्था नहीं थी अतः वे अपने मामा राधारमण के पास आ गए जो कि गंगापुर में सहायक स्टेशन मास्टर के पद पर पदस्थ थे, गंगापुर आने के पश्चात 1925 में उनकी शिक्षा विधिवत प्रारंभ हुई,वे गंगा पुर में 4 वर्ष तक रहे, गंगापुर मेंइससे आगे पढ़ाई की व्यवस्था नहीं होने से, अतः 2 जून 1929 को उन्होंने कोटा के एक स्कूल में दाखिला ले लिया , कक्षा 5 से 7 तक की पढ़ाई उन्होंने कोटा में की इसके बाद की पढ़ाई के लिए वे,राजगढ़ आ गये मामा राधारमण के चचेरे भाई नारायण शुक्ला राजगढ़ में स्टेशन मास्टर थे, आठवीं की शिक्षा प्राप्त करने के लिए दाखिला लिया, उन्होंने अपनी कुशाग्र बुद्धि का परिचय अंकगणित के कठिन सवालो का जवाब पलक झपकते ही देकर दिया, जब वे 9 वी कक्षा में पढ़ रहे थे उस दौरान उनके पास दसवीं के विद्यार्थी भी उनसे गणित के सवाल हल करवाने आते थे,उनकी ख्याति एक मेधावी छात्र के रूप में फैल गई थी, नारायण शुक्ला का119 34 में स्थानांतरण सीकर हो गया,इस कारण उन्हें सीकर जाना पड़ा, उन्होंने दसवीं की परीक्षा सीकर कल्याण हाईस्कूल से दी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए,वह विधार्थी जीवन में हमेशा उच्च अंकों के साथ उत्तीर्ण होते रहे ,इसी कारण सीकर के महाराजा कल्याण सिंह ने उन्हें स्वर्ण पदक प्रदान किया,10रपये माहवार छात्रवृत्ति और पुस्तको आदि के लिए 250की राशि पारितोषिक के रूप में दी,उस दौर में पिलानी उच्च शिक्षा का प्रसिद्ध केन्द्र था, दीनदयाल इंटरमीडिएट की पढ़ाई के लिए 1935मे पिलानी चले गए उन्होंने यह सभी परीक्षाएं विशेष योग्यता के साथ उत्तीर्ण की ,बीए की पढ़ाई के लिए कानपुर आ गए। कानपुर में किराए का मकान लेकर दो बर्ष तक रहे,इसके पश्चात वे प्रयाग चले आए,25वर्ष की आयु पूर्ण करने तक उपाध्याय जी राजस्थान और उत्तर प्रदेश में अनेक स्थानों पर रहे, कानपुर में अध्ययन करते वक्त अपने सहपाठी कालूजी महाशबदे के माध्यम से वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संपर्क में आए, कानपुर में संघ संस्थापक डां केशव बलिराम हेडगेवार से उनकी भेंट हुई,बाबा साहब आपके के दादा राव परमार्थ इनके छात्रावास में ही रूकते थे,इनकी दीनदयाल जी से बहुत बातें होती थीं, स्वातंत्र्य वीर सावरकर जब कानपुर आए तो दीनदयाल जी ने उन्हें शाखा पर आमंत्रित कर बौद्धिक वर्ग करवाया, कानपुर में सुन्दर सिंह भंडारी भी उनके सहपाठी थे, कानपुर में इस विधार्थी जीवन से ही पं दीनदयाल उपाध्याय के सार्वजनिक जीवन की शुरुआत हो गयी थी हालांकि संघ के शारीरिक कार्य कार्यक्रमो को दीनदयाल जी बेहतर ढंग से नहीं कर पाते थे मगर बौद्धिक परीक्षा में वे सदैव अव्वल रहते थे, दीनदयाल उपाध्याय जी ने सन् 1939 में सनातन धर्म कॉलेज कानपुर से बीए की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की ,यही नहीं,एम ए अंग्रेजी साहित्य की परीक्षा में भी ,उन्होंने प्रथम स्थान प्राप्त किया , हालांकि बीमारी की वजह से वे एम ए उतराध की परीक्षा नहीं दे सके, मामा जी के अनुरोध करने पर वे प्रशासनिक परीक्षा में बैठे, उत्तीर्ण हुए और साक्षात्कार में भी वे चुन लिए गए लेकिन उन्होंने प्रशासनिक नौकरी करने में कतई दिलचस्पी नहीं दिखाई, अतः वे बीटी करने के लिए प्रयाग चले गए उनकी अध्ययनशीलता सावजनिक जीवन में जाने के पश्चात प्रखरतम होती चली गई ,कालांतर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय का भारतीय राजनीति ने जो जीवन उभरा वह उनका श्रषि व्यक्तित्व था,वे ताउम्र अविवाहित रहे, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से वे राजनीतिक क्षेत्र में गए और भारतीय जन संघ के महामंत्री बने ,उनकी विलक्षण प्रतिभा को देखकर डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कहा था कि मुझे दो दीनदयाल जी मिल जाए तो मैं भारतीय राजनीति का मानचित्र बदल के रख दूंगा, भारतीय जनसंघ की स्थापना के दो वर्ष भी पूर्ण नहीं हो पाए थे काश्मीर आंदोलन के दौरान 23जून को डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान हो गया, आजाद भारत के नवगठित राजनीतिक दल का भार पूण तौर पर 36 वर्षीय दीनदयाल उपाध्याय जी के कंधे पर आ गया,वे निरंतर17 सालों तक भारतीय जन संघ के महामंत्री रहे और 18 में बर्ष में जन संघ के अध्यक्ष बने लेकिन नियति ने उन्हें हमसे छीन लिया, दीनदयाल जी का व्यक्तित्व बहुआयामी था, वे सामान्य व्यक्ति,सक्रिय कार्यकर्ता कुशल संगठक, प्रभावी नेता एवं विचारक थे समाजशास्त्री, अर्थशास्त्री, राजनीति विज्ञानी एवं दार्शनिक एव अच्छे वक्ता थे ,किसी भी विषय पर अच्छी प्रकार से अभ्यास और विभिन्न कोणों से उस पर विचार व्यक्त करने के उपरांत ही अपना कोई मत व्यक्त करते थे ,उनके बहुआयामी व्यक्तित्व की झलक कुछ उदाहरणो से पता चलती है।

राष्ट्र, राष्ट्रीयता और भारतीय संस्कृति पर दीन दयाल जी के विचारों से यह स्पष्ट हो जाता है ,उनका चिंतन आज भी प्रासंगिक है राष्ट्र एक स्थाई सच है,राष्ट्र की आवश्यकता को पूर्ण करने के लिए राज्य पैदा होता है, राष्ट्र का संगठन के निजी स्वार्थों की पूर्ति के लिए उत्पन्न नहीं होता है ,एक राष्ट्र भाव की विस्मृति के कारण घटक शिथिल पडते हैं और यदि पूरी तरह निष्क्रिय हो गए, तो संपूर्ण राष्ट्र के विनाश का कारण भी बनते हैं, अतः हमें कालजेय स्थाई सक्षम, आत्मनिर्भर व्यवहारिकता और स्वाभाविक संगठन के लिए राष्ट्र को आधार मानना होगा, राष्ट्र का संगठन दृढ हुआ तो सामर्थ निर्माण होगा और विभिन्न अंग पुष्ट हो सकेंगे ,राष्ट्र को परम वैभव की ओर ले जाने के लिए धर्म का संरक्षण करते हुए आना चाहिए ,यह संघटित कार्प शक्ति एवं पुरुषार्थ से ही प्राप्त हो सकता है, पंडित दीनदयाल उपाध्याय का मानना था कि भारतीय संस्कृति की विशेषता यह है कि वह संपूर्ण जीवन और संपूर्ण सृष्टि का विचार करती है, उसका दृष्टिकोण एकात्मक वादी है, टुकड़ों में विचार करना विशेषज्ञ की दृष्टि से उचित हो सकता है लेकिन व्यवहारिक दृष्टि से यह कतई उपयुक्त नहीं है पश्चिम की समस्या का मुख्य कारण उसका जीवन के संबंध में सतही ढंग से विचार करना है।

दीनदयाल जी का मानना था कि स्वराज प्राप्त करते ही हम स्व की भावना विस्मित कर बैठे तथा विदेशी विचारधारा हमारे आकर्षण और अनुकरण का केंद्र बन गई ,आज आवश्यकता है कि अपने स्व का परिचय किया जाए, बिना उसके स्वराज का कोई अर्थ नहीं है स्वतंत्रता हमारे विकास और सुख का साधन मात्र नहीं बन सकती जब तक हमें अपनी हकीकत का पता नहीं तब तक हमें अपनी शक्तियों का ज्ञान नहीं हो सकता और ना ही उसका विकास ही संभव है,हम स्वर की भावना किस मत कर बैठे हैं विदेशी विचारधारा मारे आकर्षण और अनुकरण का केंद्र बन गई आज आवश्यकता है कि अपने स्व का परिचय किया जाये कर विनाश के स्वराज का कोई अर्थ नहीं है, स्वतंत्रता हमारे विकास और सुख का साधन नहीं बन सकती जब तक हमें अपनी हकीकत का पता नहीं तब तक हमें अपनी शक्ति का ज्ञान नहीं हो सकता और नहीं उसका विकास ही संभव है, पंडित दीनदयाल जी ने राष्ट्र को परम वैभव पर ले जाने योग्य छोटे-छोटे आयामों का चिंतन करते हुए एकात्मक मानव बाद के माध्यम से जो दिशानिर्देश किया है वह अन्य सभी बातों से उठकर किसी भी राष्ट्र के लिए प्रेरणा स्रोत है इसमें किसी भी प्रकार की संकुचित प्रवृत्ति का आभास भी नहीं होता ,राष्ट्र का प्रत्येक व्यक्ति इस एकात्मक मानव बाद को भलीभांति समझ कर स्वयं के विकास और समाज के विकास के साथ ही संपूर्ण राष्ट्र को सर्वोच्च पर ले जाने में समर्थ होगा, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी राष्ट्र निर्माण के कुशल शिल्पओं में से एक रहे हैं व्यक्तिगत जीवन तथा राजनीति में भी सिद्धांत और व्यवहार में समानता रखने वाली इस शख्सियत को तमाम सारे विरोधियों का सामना करना पड़ा किंतु राष्ट्रभक्ति जिनका मकसद हो ऐसे महापुरुष को भला कौन उसके लक्ष्य से डिगा सकता था।

(लेखक के विषय में - स्वतंत्र पत्रकार)

(25 सितम्बर विश्व नदी दिवस)

खतरों से जूझती नदियां

(लेखक-विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

संस्कृति के निर्माण में नदियों का ही मुख्य योगदान था होता हैं और रहा हैं।कारण जल ही जीवन हैं और कोई भी शहर गांव में निवासी जहाँ जल की सुविधाएँ होती थी वहीं बसते थे।इसीलिए हम माँ का दर्जा देते हैं नदियां ,कुए ,बावली।नाले ,झिरने आदि सुगम और सरल स्त्रोत होते थे।विकास के नाम पर कल कारखाने और आबादी बढ़ने से इन स्त्रोतों का महत्व कम कर दिया गया।और सिंचाई युक्त खेती और रासायनिक खादों के कारण जमीन से पानी निकालने के कारण सूखों का सामना करना पड़ता हैं।जल का दोहन ,समुचित प्रबंधन का आभाव ,अपव्यय से कमी का होना स्वाभाविक होता हैं।

एक नदी सब कुछ बदल सकती है। हर साल सितंबर के अंतिम रविवार को मनाया जाता है। 25 सितंबर 2022 को भारत सहित पूरे विश्व में उत्साह से मनाया जाता है। नदियों की रक्षा को लेकर 2005 में इसे मनाने की शुरुआत की गई थी

ब्रिटेन, कनाडा, अमेरिका, भारत, पोलैंड, दक्षिण अफ्रिका, ऑस्ट्रेलिया, मलेशिया और बांग्लादेश में नदियों की रक्षा को लेकर कई कार्यक्रम का आयोजन होता है। भारत में अनादि काल से नदियों को देवीय महत्व दिया गया है। पूर्वांचल में पवित्र नदियों के किनारे छठ पर्व किया जाता है। छठ पर्व दीपोत्सव के छठे दिन मनाया जाता है। इस दिन महिलाएं नदी के पानी में खड़े होकर सूर्य को अर्घ देती है।

पृथ्वी के 71 प्रतिशत हिस्से में पानी है, जिसमें से 97.3 प्रतिशत पानी पीने योग्य नहीं होकर खारा पानी है। शेष 2.7 प्रतिशत मीठा जल हमें नदियों, झीलों, तालाबों जैसे संसाधनों से प्राप्त होता है। इसलिए विश्व नदी दिवस मनाए जाने की शुरुआत की गई।

गलत नीतियों, मानव द्वारा फैलाए जा रहे प्रदूषण और कई स्वार्थियों के कारण अनेक नदियां का अस्तित्व समाप्त हो रहा है। प्रदूषित हो रही नदियों को संवारने के लिए संरक्षित करने की जरूरत है।

पुराणों में उल्लेख है कि विश्व की प्राचीन सभ्यतायें नदियों के किनारे ही विकसित हुई है। नदियां को स्वच्छ जल का संवाहक होती हैं। एशिया महाद्वीप का हिमालय पर्वत पुरातन समय से नदियों का उद्गम स्रोत रहा है। गंगा, यमुना, सिंधु, झेलम, चिनाव, रावी, सतलज, गोमती, घाघरा, रासी, कोसी, हुबली तथा ब्रहमपुत्र आदि सभी नदियों का उद्गम हिमालय से शुरू होकर हिन्द महासागर में जाकर अपनी गिरती है।

विश्व नदी दिवस भारत का कोई अलग से कार्यक्रम नहीं है। पुराने लोगों द्वारा कहा जाता है कि सालों पहले भारत की नदियां बारह मासी यानी 12 माह बहने वाली होती थी, लेकिन अंधाधुंध पेड़ों की कटाई के कारण नदियों ने अपना अस्तिव खो दिया। वर्तमान में हालात यह है कि ग्रीष्म ऋतु में भारत की सभी नदियों का जल सूख जाता है।

भारत के कई शहरों में उद्योगों से निकलने वाले अपशिष्ट पदार्थ को नदियों में मिला दिया जाता है।गंगा नदी की स्वच्छता अभियान में करोड़ों रूपया खर्च किया जा चूका हैं पर नदियों के किनारे वाले शहरों में स्थापित कल कारखानों द्वारा नदी को अनवरत प्रदूषित किया जा रहा हैं।यह स्थिति संभवतः पूरे भारत में हैं। सीपीसीबी की साल 2020 की रिपोर्ट के अनुसार भारत की जीवनदायिनी कही जाने वाली ये नदियां खुद खतरे में हैं। 521 नदियों के पानी की मॉनिटरिंग करने वाले प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार देश की 198 नदियां ही स्वच्छ हैं। जो छोटी नदियां हैं। जबकि, बड़ी नदियों का पानी भीषण प्रदूषण की चपेट में है। 198 नदियां स्वच्छ पाई गईं, इनमें ज्यादातर दक्षिण-पूर्व भारत की हैं।

संरक्षित करने के उपाय --

- हमारी जलवायु बरसात पर आधारित हैं और अच्छी वर्षा होने से हमारी खेती जो हमारे जीवन का मुख्य आधार हैं पर आश्रित हैं ,इसके अलावा समुचित प्रबधन के आभाव में गर्मी के मौसम में सूखा का प्रभाव देखने मिलता हैं।
- नदियों को छिछली (उथली) होने से बचायें।
- नदियों के किनारों पर सघन वृक्षारोपण किया जाये जिससे किनारों पर कटाव ना हो।
- नदियों का पानी गन्दा होने से बचाये, मसलन पशुओं को नदी के पानी मे जाने से रोके। गांव व शहरों का घरेलू अनुपचारित पानी नदी में नही मिलने दे।
- पानी को यह सोच कर साफ रखने का प्रयास करें कि आगे जो भी गांव या शहर वाले इस पानी को उपयोग में लाने वाले हैं वो आपके ही भाई बहन या परिवार के लोग हैं।
- नगरपालिका और ग्राम पंचायत अपने स्तर पर घरेलू पानी (दूषित) को साफ करने वाला सयंत्र लगाने के लिए प्रोत्साहित करें।
- उद्योगों का अनुपचारित पानी नदी के पानी मे नही मिलने दे।
- हो सके तो समय समय पर पानी की गुणवत्ता की जांच करवाते रहे।
- जलकुम्भी की सफाई समय समय पर करवाने का प्रयत्न करें।
- इसके साथ जल और नदियों का महत्व समझे ये हमारी सर्वश्रेष्ठ विरासत हैं।

चिंतन-मनन

वाणी का शरीर पर प्रभाव

-प्रसन्नता से होता है शरीर पुष्ट एवं प्रोध से होती है हानी

मानव शरीर में अनेक ग्रंथियां होती हैं,पियूष ग्रंथि मस्तिष्क में होती है, उससे 12 प्रकार के रस निकलते है, जो भावनाओं से विशेष प्रभावित होती हैं। जब व्यक्ति प्रसन्नचित होता है, तो इन ग्रनथियों से विशेष प्रकार के रस बहने लगते है, जिससे शरीर पुष्ट होने लगता है, बुद्धि विकसित होती है, रक्त गति सामान्य रहती है। जब मनुष्य अधिक बोलता है, तो रक्त की गति अनावश्यक प्रभावित होती है। जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है,खून के थक्के बनने लगते है । इसी प्रकार प्रोध अधिक करने से खून का बहाव कम हो जाता है, खून जमने की शक्ति बढ़ जाने से मृत्यू भी संभव है। अपने जीवन में ज्यादा बोलना अभिशाप हो सकता है। अधिक बोलने से पाचन क्रिया पर गलत प्रभाव पड़ता है, शरीर की अधिक शक्ति खर्च होती है, पेट की मॉसपेशियां खिचने लगती है, पाचन रस ग्रंथियों से नही निकलता, शरीर में विटामिन, खनिज तत्व एवं हार्मोन्स की कमी हो जाती हैं। शरीर रोगी हो जाता है, मानसिक दुर्बलता आ जाती है, स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है, याददाश्त कमजोर हो जाती है, अत-वाणी का प्रभाव शरीर पर पड़ता है। हर प्राणी को अपना जीवन झूठा, बनावटी, जोर जोर से बोलने बाला ना बना कर शांत चित बनाना चाहिए ।

दिल्ली का गुड़ियाघर

बच्चों क्या आपने दिल्ली का गुडियाघर देखा है? दिल्ली के नेहरू भवन में स्थापित यह विशाल गुडियाघर आप बच्चों को चाचा नेहरू का उपहार है. इस गुडियाघर की शुरुआत तो प्रसिध्द कार्टूनिस्ट के शंकर पिल्लै ने की थी, उनकी कोशिशों के बिना गुडियाघर नहीं बन सकता था, पर चाचा नेहरू के भी प्रयासों के बाद आज ये संसार के मशहूर संग्रहालयों में गिना जाता है।

कार्टूनिस्ट शंकर नेहरू जी के साथ रहने वाले पत्रकारों के समूह में थे जब नेहरू जी प्रधानमंत्री थे। वे चाचा नेहरू के साथ देश विदेश जाते और वहां से तरह तरह की गुडियाएं इकट्ठी करते। जब उनके पास 500 गुडियां इकट्ठी हो गयीं तब उन्होंने उन्हें देश भर के बच्चों को दिखाना चाहा और उन्होने देश के कई स्थानों पर बच्चों के चित्रों के साथ इन गुडियों की प्रदर्शनियां भी आयोजित कीं। लेकिन इस प्रयास में उन्हें कई कठिनाईयों का सामना करना पडता था। बार बार बांधने, खोलने और यहां से वहां ले जाने में उन गुडियों की टूटफूट हो जाती जिससे शंकर को बहुत दुःख पहुंचता।

ऐसे ही एक बार चाचा नेहरू दिल्ली में उनकी प्रदर्शनी देखने बिटिया इंदिरा के साथ पहुंचे। तब शंकर ने गुडियों को हुए नुकसान के बारे में उन्हें बताया। तब चाचा नेहरू ने उन्हें सुझाव दिया कि क्यों न इन गुडियों का कोई स्थायी संग्रहालय बना दिया जाए। तब इसके बाद जब दिल्ली में चिल्ड्रन्स बुक ट्रस्ट के भवन का निर्माण हुआ तब उसका एक भाग गुडियाघर के लिये सुरक्षित कर दिया गया।

बहादुरशाह जफ़र मार्ग पर बने इस भवन में यह गुडियाघर 5185 वर्गफीट स्थान में फैला है, जो दो हिस्सों में बंटा है। हर 1000 फीट की लम्बाई में दीवारों पर 160 से ज्यादा कांच के केस बने हुए हैं। एक हिस्से में इंग्लैण्ड, अमेरिका, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैण्ड और अन्य यूरोपीय देशों की गुडियाएं प्रदर्शित की गई हैं, वहीं दूसरे हिस्से में ऐशियाई देशों, मध्यपूर्व, अफ्रीका तथा भारत की गुडियाएं सजा कर रखी गई हैं।

इस गुडियाघर की शुरुआत 1000 गुडियों से हुई थी आज यहां देशविदेश की 6500 गुडियाओं का संग्रह है। अगर आप दिल्ली जाएं तो इसे देखना न भूलना।

ऐसा स्कूल जहां छात्र सब्जियां उगाते हैं

आमतौर पर अगर तुम स्कूल के बारे में सोचोगे तो क्या। स्कूल जहां बच्चे पढ़ाई करते हैं। शिक्षा प्राप्त करते हैं। लेकिन क्या कभी तुमने ऐस स्कूल देखा है। जहां बच्चे पढ़ाई के साथ-साथ सब्जियां भी उगाते हैं। आओ आज हम तुम्हें इसके बारे बताते हैं।

अमेरिका में कोलोराडो स्थित सोपरिस एलिमेंट्री स्कूल के छात्र स्कूल में ही अपने लिए सब्जियां उगाते हैं। इस स्कूल के पांचवें ग्रेड के एक शिक्षक ने स्कूल में ग्रीनहाउस के लिए योजना बनाने में मदद की है। इस कार्यक्रम को वहां के स्थानीय बैंक और व्यापारियों का समर्थन मिला। एक फाउंडेशन ने इस योजना के लिए 5000 अमेरिकी डॉलर का कर्ज भी मुहैया कराया। इस स्कूल ने अपने यहां एक सोलर हीट सिस्टम भी लगाया है, ताकि सर्दियों में ग्रीनहाउस में पौधों को गर्मी प्रदान की जा सके। इसमें 400 बच्चे नियमित रूप से पौधों की देखभाल करते हैं। पिछले महीने स्कूल के छात्रों ने सब्जियों की पहली फसल काटनी शुरू की थी। इसमें खीरा, मूली और पालक आदि शामिल थे। 11 साल की एक छात्रा हनाह जुल कहती है कि फसल काफी अच्छी है। हम इसे उगाने के दौरान ढेर सारी मस्ती भी करते हैं। स्कूल के एक शिक्षक का कहना है कि स्कूल के बगीचे ने बच्चों को घरों में पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया है।

शुतुरमुर्ग की बेवकूफी

बहुत पहले की बात है जब ईश्वर सृष्टि के निर्माण में अब भी व्यस्त थे। ईश्वर का एक सहयोगी था वह संसार को अग्नि देने के पक्ष में नहीं था। उसे लगता था कि इस अग्नि से सांसारिक जीव स्वयं का ही ना नष्ट कर लें। पर आग तो पांच तत्वों में एक है और उसे संसार को देना आवश्यक था तो उन्होंने निर्णय लिया कि आग तो दे दी जाए संसार को लेकिन शुतुरमुर्ग को आग की रखवाली के लिये तैनात कर दिया जाए ताकि कोई आग से न खेल सके। उसने सोचा कि जो भी शुतुरमुर्ग जैसे बहुत वफादार और अनुशासन प्रिय जानवर से किसी तरह आग ले जाने में सफल भी हो गया तो वह इतना चतुर अवश्य होगा कि आग को संभाल लेगा। उसने शुतुरमुर्ग को जरूरी हिदायतें दीं और वह अपने इंतजाम से संतुष्ट हो कर स्वर्ग लौटकर दूसरे रचनाओं के काम में लग गया।

शुतुरमुर्ग ने आग को खूब छिपा कर रखा अपने एक पंख के नीचे। लेकिन जो पहला आदिमानव था उसे पता चल गया कि वह आग को कहां छिपा कर रखता है और उसे अनुमान हो गया कि वह छिपा कर रखी गई आग कितनी काम की चीज है। वह आग पाना चाहता था, वह उसमें अपना भोजन पकाना चाहता था, उसकी गर्मी से वह रातों को अपनी गुफा गर्म करना चाहता था, और उसके प्रकाश से डरावने शिकारी जानवरों को भी वह अपने से दूर रख सकता था। कितना अच्छा होगा उसके और उसके परिवार के लिये कि उनके पास थोडी सी आग हो। आदिमानव ने सोच समझ कर शुतुरमुर्ग से आग चुराने की योजना बना ली।

अगले दिन आदिमानव जो कि जानवरों से बात करना जानता था शुतुरमुर्ग के पास पहुंचा, उसे विनम्रता से अभिवादन किया, शुतुरमुर्ग ने उसे घूर कर शक की निगाहों से देखा।

ओह महान और बुध्दिमान शुतुरमुर्ग जीसारे पक्षियों के महाराज, मेरे पास आपके लिये एक अच्छी खबर है।

सच! वह क्या ? शुतुरमुर्ग ने रुचि ली।

ओह विशाल, भव्य पक्षी, मैं ने कल रात एक सपना देखा, वह यह कि आप उड सकते हैं।

शुतुरमुर्ग को लगा वह मजाक बना रहा है तो उसने आंखें तरेर कर उसे देखा।

वो कैसे?

मैं सपने में जाना कि आपको उडने का उपहार मिल सकता है अगर आप एक उपाय करें।

क्या।

अगर आप सुबह सूर्योदय से पहले तेज हवा में अपने पंख फैला कर खडे हो जाएं और सपने में मैंने जाना कि आप अपनी आंखें बन्द कर लें और दौड क़र बाज की तरह उपर उठ कर उडने का प्रयास करें तो उडान आपको उपहार में मिल जाएगी।

शुतुरमुर्ग को एक यही बात तो अखरती थी कि सबसे बडा पक्षी होने के बावजूद भी वह उड नहीं पाता, जबकि उसके पंख इतने बडे और शक्तिशाली हैं। वह इस बात को मानने के लिये विवश हो गया, क्योंकि यही तो उसकी प्रिय इच्छा थी।

अगले ही दिन वह सूर्योदय के पहले एक ऊंची पहाडी पर ठंड में आखें कस कर बन्द करके और पंख फैला कर खडा हो गया। उसे खडे खडे जब कुछ देर हो गई तो आदिमानव चुपके से आया और उसके पंखों के नीचे से आग चुरा ली और तेज रफ्तार में भाग खडा हुआ। शुतुरमुर्ग पूरे दिन खडा रहा पर उडना उसे नहीं मिला उपहार में।

इस तरह आदिमानव ने हम मानवों को आग लाकर दी जो कि इतनी काम की चीज़ है, पर ईश्वर के सहयोगी को जो डर था कि आग का गलत इस्तेमाल न हो वह गलती कभी कभी इन्सान कर बैठता है। हमें उसकी हिदायत याद रखनी होगी कि हम कितने भी समझदार हो जाएं किन्तु इस आग से दुनिया ही न नष्ट कर बैठें।

खैरहां उस दिन शुतुरमुर्ग बडा दुखी हुआ कि उडना तो उसे आया ही नहीं और उसकी बेवकूफी से उससे आग और छिन गई। तब से इस सदमे से उसका दिमाग कमजोर हो गया और याददाश्त कमजोर हो गई।

जी करता जोकर बन जाऊं

जोकर मुझे बना दो जी
मोटी तोंद लगा दो जी
नाक गाल को खूब सजा कर
गोलगोल गेंदें चिपका कर
बन्दर जैसे दाँत दिखाकर
रोतों को भी खूब हंसाकर
हंसा–हंसा कर आंसू लाऊं
जी करता जोकर बन जाऊं
जोकर मुझे बना दो जी
मोटी तोंद लगा दो जी
तरह तरह के खेल दिखाकर
उल्टा सीधा मुंह बना कर
कानों में चप्पल लटका कर
छोटी सी एक पूंछ लगाकर
बच्चों का टट्टू बन जाऊं
जी करता जोकर बन जाऊं
जोकर मुझे बना दो जी
मोटी तोंद लगा दो जी

पहली तिमाही में बैंक ऋण 14 फीसदी बढ़ाः आरबीआई

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि जून तिमाही के ओ खिरी में बैंकों में ऋण सालाना आधार पर 14 प्रतिशत बढ़ा। आरबीआई ने कहा कि ये आंकड़े 89 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों द्वारा दी गई जानकारी पर आधारित हैं। इनमें क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का प्रदर्शन शामिल नहीं है। इससे पिछली तिमाही में यह आंकड़ा 10.7 प्रतिशत और जून 2021 तिमाही में 5.8 प्रतिशत था। केंद्रीय बैंक ने कहा कि यह वृद्धि भारित औसत उधारी दर में 0.21 प्रतिशत की बढ़ोतरी के बावजूद हुई। यह भी गौरतलब है कि लगातार दस तिमाहियों के दौरान ब्याज दर में गिरावट के बाद समीक्षाधीन तिमाही में वृद्धि देखने को मिली। आरबीआई ने बेकाबू होती मुद्रास्फीति को काबू में करने के लिए मई की शुरुआत में अपनी दरों को बढ़ाना शुरू किया था। आंकड़ों के मुताबिक जून तिमाही में व्यक्तिगत ऋणों में 20.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि उद्योग को दिया गया ऋण 7.2 प्रतिशत की दर से बढ़ा। इस दौरान महिलाओं को मिले कर्ज की वृद्धि दर, पुरुषों के मुकाबले अधिक रही।

सेबी ने स्टॉक ब्रोकर का पंजीकरण रद्द किया

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) ने ग्राहकों के धन और प्रतिभूतियों के गलत प्रबंधन को लेकर स्टॉक ब्रोकर फिक्स सिक्योरिटी का पंजीकरण रद्द कर दिया है। सेबी ने कहा कि स्टॉक ब्रोकर ने अप्रैल 2015 से जनवरी 2018 की अवधि के दौरान नियामक मानदंडों का उल्लंघन किया। बाजार नियामक ने पाया कि फिकस ने कई अवसरों पर अपने ग्राहकों की प्रतिभूतियों का उपयोग अपने स्वयं के भुगतान के लिए किया है और ग्राहकों की प्रतिभूतियों को अन्य संस्थाओं को भी हस्तांतरित किया है। इसी आधार पर सेबी ने फिक्स सिक्योरिटी प्राइवेट लिमिटेड के पंजीकरण प्रमाण पत्र को रद्द कर दिया है। यह निर्देश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है।

जोमैटो करेगी दस से ज्यादा ब्रांड वाले क्लाउड किचन की जांच

नई दिल्ली । ऑनलाइन खाना ऑर्डर की सुविधा देने वाली कंपनी जोमैटो ने कहा कि वह एक ही जगह से 10 से ज्यादा ब्रांड का संचालन करने वाले क्लाउड किचन की जांच करेगी। जोमैटो ने एक ब्लॉगपोस्ट में इसकी जानकारी दी। कंपनी ने कहा कि जहां ब्रांड की सही संख्या का कोई सटीक विज्ञान नहीं है, वहीं हमारा मानना है कि इस उद्योग के सर्वाधिक संगठित इकाई को भी एक किचन से कई ब्रांड के परिचालन की स्थिति में लाभ नहीं होता है और उपभोक्ताओं का भरोसा भी कम होता है। जोमैटो ने कहा कि हाल में भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने क्लाउड किचन चलाने वाली कंपनियों को एक ही लाइसेंस पर कई ब्रांडों का परिचालन करने की छूट दी हुई है। हालांकि जोमैटो का मानना है कि पंजीकृत क्लाउड किचन चलाने वाली कुछ कंपनियां कानून में दी गई इस छूट का दुरुपयोग कर रही हैं और एक ही किचन से बहुत ज्यादा ब्रांड का संचालन कर रही हैं। इसकी वजह से उनके उत्पादों की पेशकश में कोई भी फर्क नहीं होता है और ग्राहक भी भ्रमित होने लगते हैं। जोमैटो ने कहा कि इस स्थिति में ग्राहकों को होने वाले खराब अनुभव को देखते हुए बहुत ज्यादा ब्रांड चला रहे क्लाउड किचन की भौतिक जांच करने का फैसला लिया गया है। इस काम में भारतीय राष्ट्रीय रेस्तरां संघ का सहयोग लिया जाएगा।

रूस की चेतावनी, कीमत सीमा वाजिब न हुई तो रोक देंगे तेल की आपूर्ति

(एजेंसी):

रूस ने शुक्रवार को कहा कि जी-7 देशों की तरफ से प्रस्तावित पेट्रोलियम उत्पादों की कीमत सीमा वाजिब नहीं होने पर वह वैश्विक बाजार में तेल की आपूर्ति रोक देगा। भारत में रूस के राजदूत डेनिस आलिपोव ने कहा, 'अगर हमें लगता है कि जी-7 देशों की तय की हुई कीमत सीमा वाजिब नहीं है और वह हमें स्वीकार्य नहीं होती है तो हम साफ तौर पर वैश्विक बाजारों को तेल की आपूर्ति रोक देंगे। कीमत सीमा तय करने में अमेरिकी पहल का साथ देने वाले अन्य देशों को भी हम तेल की आपूर्ति बंद कर देंगे।' यूक्रेन पर हमला करने के बाद से अमेरिका की अगुवाई में तमाम पश्चिमी देशों ने रूस पर कड़ी आर्थिक पाबंदियां लगाई हुई हैं। इसके विरोध में रूस ने भी यूरोपीय देशों को तेल एवं गैस की आपूर्ति को काफी हद तक कम कर दिया है। रूस पर सख्ती बढ़ाने के लिए अमेरिका और अन्य विकसित देशों ने उसके पेट्रोलियम उत्पादों का अधिकतम मूल्य तय करने की बात कही है। रूस को ईंधन निर्यात से मिलने वाली विदेशी मुद्रा पर लगाम लगाने के लिए इस कदम के बारे में चर्चा चल रही है। इस संदर्भ में पूछे जाने पर रूसी राजदूत ने कहा कि रूस अपने व्यापार हितों को चोट पहुंचाने वाले किसी भी कदम को स्वीकार नहीं करेगा। आलिपोव ने कहा कि मूल्य दायरा तय किए जाने से वैश्विक बाजारों मे तेल की भारी किल्लत पैदा हो जाएगी जिससे कच्चे तेल के दाम में खासा उछाल आ सकता है। अमेरिका ने रूसी तेल का मूल्य दायरा तय किए जाने की व्यवस्था का हिस्सा बनने का अनुरोध भारत से भी किया हुआ है। हालांकि भारत ने कहा है कि वह इस प्रस्ताव का 'सावधानीपूर्वक परीक्षण' करने के बाद कोई निर्णय लेगा। इस बारे में रूसी राजदूत ने कहा, 'भारत ने इस विचार पर अब तक सजग रवैया अपनाया हुआ है। यह विचार भारत के हितों के लिए लाभदायक नहीं होगा।' हालांकि उन्होंने यह माना कि भारत इस तरह की व्यवस्था लागू होने पर अपने हितों के अनुरूप ही कोई फैसला करेगा।

सोना छह महीनों के निचले स्तर पर

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कीमती धातुओं में नरमी की वजह से सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिल रही है। सोना 6 महीनों में अपने सबसे निचले स्तर तक पहुंच चुका है। देश में सोने की कीमत 1.2 फीसदी की गिरावट के साथ छह महीने के निचले स्तर 49,390 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई है। जबकि चांदी 2.6 फीसदी की गिरावट के साथ 56,525 रुपए` किलो हो गई है। वहीं वैश्विक बाजारों में मजबूत डॉलर के संयोजन के रूप में सोना एक फीसदी से अधिक गिरकर दो साल में सबसे निचले स्तर पर आ गया है। अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में वृद्धि ने कीमती धातु की मांग को कम कर दिया। हाजिर सोना 1.3 फीसदी की गिरावट के साथ 1,648.59 डॉलर प्रति औंस पर था। हाजिर चांदी 2.9 फीसदी गिरकर 19.09 डॉलर प्रति औंस पर आ गई है। एक वेबसाइट के मुताबिक शुक्रवार को 24 कैरेट सोना 656 रुपए की गिरावट के साथ 49,432 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया। वहीं चांदी 1522 रुपए सस्ती होकर 56100 रुपए पर बंद हुआ। गौरतलब है कि इससे पहले शुरुआती कारोबार में 24 कैरेट का सोना 50078 रुपए पर खुला था और चांदी 57622 रुपए पर खुली थी। सोने की कीमतों में गिरावट की वजह से इसमें निवेश करने का अच्छा मौका है।

ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज के नए सीईओ बने रजनीत कोहली, मैनजमेंट में बड़ा बदलाव

मुंबई । दिग्गज ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज के मैनजमेंट में बड़ा बदलाव हुआ है। कंपनी ने अपना नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। इसकी जिम्मेदारी रजनीत कोहली को दी गई है। कोहली इससे पहले भारत में 1450 से अधिक डोमिनोज रेस्तरां की कमान संभाल रहे थे। उन्हें फूड एंड रिटेल इंडस्ट्रीज में 24 वर्षों से अधिक का अनुभव है। कोहली ब्रिटानिया के नए कार्यकारी उपाध्यक्ष और मैनेजिंग डायरेक्टर वरुण बेरी को रिपोर्ट करने वाले हैं। कोहली ने एशियन पेंट्स में 6 साल, कोका-कोला में 14 साल और जुबिलेंट फूडवर्क्स में 3 साल से अधिक समय तक काम किया है। कोहली ने कहा, 100 साल से अधिक की विरासत के साथ भारत की अग्रणी फूड कंपनियों में से एक ब्रिटानिया के पास शानदार ट्रैक रिकॉर्ड है। मुझे जो जिम्मेदारी मिली है, उसे पाकर मैं वास्तव में उत्साहित हूं। कोहली 26 सितंबर 2022 अपना पदभार संभालने वाले हैं1 कोहली की नियुक्ति के साथ ही कंपनी के बोर्ड ने बेरी को तत्काल प्रभाव से कंपनी का कार्यकारी उपाध्यक्ष और मैनेजिंग डायरेक्टर बना दिया। बेरी ने कहा कि ब्रिटानिया में रजनीत का स्वागत कर मुझे खुशी हो रही है। उन्होंने कहा कि बेहतरीन प्रदर्शन वाले बिजनेस और मुनाफे वाले ब्रांड्स के निर्माण में उनका अनुभव हमारे विजन ग्लोबल टोटल फूड्स कंपनी बनने से जुड़ा है। बेरी ने कहा कि मैं कंपनी के ग्रोथ को अगले मुकाम की ओर ले जाने के लिए रजनीत के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। 14,000 करोड़ रुपये के रेवेन्यू के साथ ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज भारत के पसंदीदा ब्रांड्स जैसे गुड डे, टाइगर, न्यूट्रीचॉइस, मिल्क बिकिस, मैरी गोल्ड, लिटिल हार्ट्स और अन्य का प्रोडक्शन करती है। फूड सेक्टर की इस बड़ी कंपनी ब्रिटानिया की शुरुआत 100 साल से भी पहले 1892 में हुई थी। आज भी बिस्किट से लेकर बाकी फूट प्रोडक्ट्स के कारोबार में कंपनी दबदबा बना हुआ है।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) शेयर बाजार में दो दिन तेजी और तीन दिन गिरावट रही

मुंबई ।

बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में पांच कारोबारी दिनों में से दो दिन तेजी और तीन दिन गिरावट देखी गई। शेयर बाजार सोमवार और मंगलवार को बढ़त लेकर और बुधवार, गुरुवार और शुक्रवार गिरावट गिरावट के साथ बंद हुए। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि वैश्विक बाजारों में नरम रुख की वजह से घरेलू शेयर बाजार प्रभावित हुआ। बीते पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों का सूचकांक सेंसेक्स 157.23 अंक बढ़कर 58,998.02 पर खुला और 300.44 अंक चढ़कर 59,141.23 पर बंद हुआ। निफ्टी 49.70 अंक चढ़कर 17,580.55 पर खुला और 91.40 अंक की मजबूती के साथ 17,622.25 पर बंद हुआ।

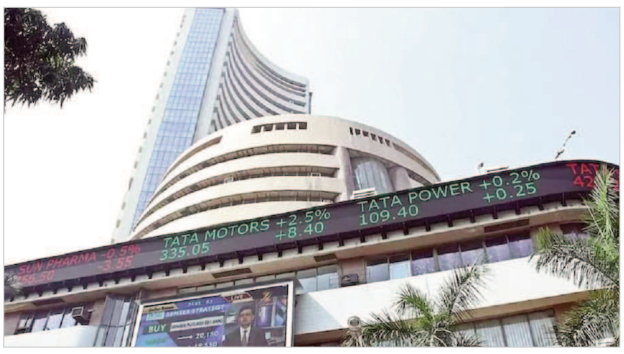

मंगलवार को सेंसेक्स 672.06 अंक चढ़कर 59,813.29 पर खुला और 578.51 अंक की तेजी के साथ 59,719.74 पर बंद हुआ। निफ्टी 209.5 अंक बढ़कर 17,831.75 पर खुला और 194 अंक की तेजी के साथ 17,816.25 पर बंद हुआ। बुधवार को

सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 227.93 अंक टूटकर 59,491.81 पर खुला और 262.96 अंक टूटकर 59,456.78 पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 55.05 अंक गिरकर 17,761.20 पर खुला और 97.90 अंक की गिरावट के साथ 17,718.35 पर बंद हुआ।

गुरुवार को सेंसेक्स 483.71 अंक टूटकर 58,973.07 पर खुला और 337.06 अंक की गिरावट के साथ 59,119.72 पर बंद हुआ।

एनएसई निफ्टी 137.95 अंक गिरकर 17,580.40 पर खुला और 88.55 अंक की गिरावट के साथ 17,629.80 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 319.3 अंक टूटकर 58,800.42 पर खुला और 1,020.80 अंक की गिरावट के साथ 58,098.92 पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 90.8 अंक गिरकर 17,539 पर खुला और 302.45 अंक की गिरावट के साथ 17,327.35 पर बंद हुआ।

देश में जुलाई महीने में 15 लाख लोगों को नौकरी मिली

- वित्त वर्ष 2021-22 में कुल 1.49 करोड़ नए एनरोलमेंट हुए

मुंबई । देश में नई नौकरियों की संख्या में बढ़ोतरी देखी गई है। जुलाई महीने में लगभग 15 लाख से अधिक लोगों को नौकरी मिली। दरअसल, कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) संचालित सोशल सिक्योरिटी स्कीम से इस साल मई में करीब 15.72 लाख नए मेंबर्स जुड़े हैं। आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। ये आंकड़े देश में संगठित क्षेत्र में रोजगार की स्थिति को बयां करते हैं। भारत में पे-रोल रिपोर्टिंग- रोजगार परिदृश्य -जुलाई-2022 शीर्षक से ताजा आंकड़े नेशनल स्टैटिकल ऑफिस की तरफ से जारी रिपोर्ट में यह कहा गया है। रिपोर्ट के मुताबिक ईएसआईसी की योजना से वित्त वर्ष 2021-22 में कुल 1.49 करोड़ नए एनरोलमेंट हुए। यह आंकड़ा 2020-21 में 1.15 करोड़, 2019-20 में 1.51 करोड़ और 2018-19 में 1.49 करोड़ था। ईएसआईसी की योजनाओं में सितंबर, 2017 से मार्च, 2018 तक लगभग 83.35 लाख नए सब्सक्राइबर शामिल हुए थे। रिपोर्ट में कहा गया कि सितंबर, 2017 से जुलाई, 2022 तक ईएसआईसी की योजना से कुल 7.08 करोड़ नए एनरोलमेंट हुए। एनएसओ की रिपोर्ट ईएसआईसी, एंप्लाई

प्रॉविडेंट फंड ऑर्गेनाइजेशन और पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी द्वारा संचालित विभिन्न सोशल सिक्योरिटी स्कीम्स में शामिल होने वाले नए सब्सक्राइबर्स के आंकड़ों पर आधारित हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार जुलाई 2022 में ईपीएफओ की सोशल सिक्योरिटी स्कीम में कुल नए एनरोलमेंट की संख्या 18.23 लाख थी। इसके मुताबिक, सितंबर, 2017 से जुलाई, 2022 तक लगभग 5.7 करोड़ (ग्रॉस) नए सब्सक्राइबर्स एंप्लाई प्रॉविडेंट फंड ऑर्गेनाइजेशन में शामिल हुए। रिपोर्ट में कहा गया है कि सब्सक्राइबर्स की संख्या विभिन्न स्रोतों से मिलने की वजह से इनमें दोहराव की संभावना रहती है।

विदेशी मुद्रा भंडार में 5.219 अरब डॉलर की आई गिरावट

मुंबई ।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में 16 सितंबर को समाप्त हुए सप्ताह में 5.219 अरब डॉलर की गिरावट आकर 545.652 अरब डॉलर रह गया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक इससे पहले 9 सितंबर को समाप्त हुए सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 2.23 अरब डॉलर घटकर 550.87 अरब डॉलर रह गया था। 2 सितंबर को समाप्त हुए सप्ताह में यह 7.94 अरब डॉलर घटकर 553.10 अरब डॉलर रहा था। आरबीआई के साप्ताहिक आंकड़ों के मुताबिक 16 सितंबर को समाप्त् हुए सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में यह गिरावट मुख्य रूप से फॉरेन करेंसी एसेट (एफसीए) में आई कमी की वजह से हुई जो कुल मुद्रा भंडार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। रिजर्व बैंक ने कहा कि समाप्त हुए सप्ताह में भारत की एफसीए 4.698 अरब डॉलर घटकर 484.901 अरब डॉलर रह गईं। डॉलर में बताई जाने वाली एफसीए में विदेशी मुद्रा भंडार में रखी यूरो, पाउंड और येन जैसी दूसरी विदेशी मुद्राओं के मूल्य में वृद्धि या कमी का प्रभाव भी शामिल होता है। इसके अलावा समाप्त हुए सप्ताह में गोल्ड रिजर्व का मूल्य 45.8 करोड़ डॉलर घटकर 38.186 अरब डॉलर रह गया। इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (आईएमएफ) में देश का स्पेशल ड्राइंग राइट (एसडीआर) 3.2 करोड़ डॉलर की गिरावट के साथ 17.686 अरब डॉलर रह गया।

'मूनलाइटिंग' पर कर्मचारियों के पक्ष में आईटी राज्य मंत्री, कहा- बंदिश लगाने का तरीका होगा विफल

(एजेंसी):

इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना प्रौद्योगिकी और कौशल विकास राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने पेशेवरों के बीच 'मूनलाइटिंग' के चलन को लेकर तेज हुई बहस के बीच कहा है कि ऐसे दिन अब बीत चुके हैं जब कर्मचारी बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों में नौकरी पाने के बाद अपना पूरा जीवन उसी नौकरी में बिता देते थे। जब कोई कर्मचारी अपनी नियमित नौकरी के अलावा स्वतंत्र रूप से कोई अन्य काम भी करता है, तो उसे तकनीकी तौर पर 'मूनलाइटिंग' कहा जाता है। प्रौद्योगिकी पेशेवरों के बीच 'मूनलाइटिंग' के बढ़ते चलन ने उद्योग में एक नई बहस को जन्म दिया है। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी विप्रो लिमिटेड ने एक साथ दो जगह काम करने यानी 'मूनलाइटिंग' के आरोप में हाल ही में अपने 300 कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया है। इसके बाद यह मुद्दा बड़ी तेजी से चर्चा के केंद्र में आ गया है। चंद्रशेखर ने शुक्रवार को पब्लिक अफेयर्स फोरम ऑफ इंडिया (पीएएफआई) के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मूनलाइटिंग के मुद्दे पर पेशेवर कर्मचारियों के नजरिये की सराहना की। उन्होंने कहा कि अपने कर्मचारियों पर बंदिश लगाने और उन्हें अपना स्टार्टअप खड़ा करने से रोकने का कंपनियों का प्रयास निश्चित रूप से असफल होने वाला है। उन्होंने कहा, ''आज के युवा आत्मविश्वास से भरे हुए हैं, वे अपना मूल्य बढ़ाना चाहते हैं और ज्यादा पैसा कमाना चाहते हैं। इसलिए कंपनियों का ऐसा कहना कि आपको अपने स्टार्टअप पर काम नहीं करना चाहिए तथा कर्मचारियों पर रोक लगाने के उनके प्रयास निश्चित ही सफल नहीं होंगे।'' हालांकि मंत्री ने यह जरूर कहा कि 'मूनलाइटिंग' की वजह से कंपनी के साथ किए गए अनुबंध दायित्वों का उल्लंघन नहीं होना चाहिए। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक, चंद्रशेखर ने इस कार्यक्रम में कहा कि यह कर्मचारी-उद्यमियों का दौर है और कॉरपोरेट जगत एवं कंपनियों को यह समझना होगा कि युवा भारतीय तकनीकी कार्यबल की सोच और रवैये में बदलाव आया है।

उन्होंने कहा, ''बंदिश लगाने का हर तरीका विफल होगा। नियोक्ता चाहते हैं कि कर्मचारी उनके साथ जुड़े रहते हुए उद्यमशील भी बने रहें। लेकिन इस बात को यही कर्मचारी खुद अपने पर भी तो लागू कर सकते हैं।'' चंद्रेशखर ने कहा, 'यह वैसे ही है जैसे कि वकील या परामर्शदाता करते हैं। भविष्य में काम इसी प्रकार से होगा।''

बायजू ने ब्लैकस्टोन को 23 करोड़ डॉलर बकाये का भुगतान किया

नई दिल्ली: (एजेंसी)

शिक्षा प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी बायजू ने निजी इक्विटी निवेश फर्म ब्लैकस्टोन को देय 23 करोड़ डॉलर का भुगतान पूरा कर दिया है। सूत्रों ने बताया कि यह राशि आकाश एजुकेशनल सर्विसेज में बहुलांश हिस्सेदारी के अधिग्रहण करने के बाद बकाया थी। बायजू ने गत अप्रैल में आकाश एजुकेशनल सर्विसेज का करीब 95 करोड़ डॉलर में अधिग्रहण किया था। घटनाक्रम से परिचित एक सूत्र ने कहा, ''बायजू ने आकाश में हिस्सेदारी के अधिग्रहण के लिए ब्लैकस्टोन को 23 करोड़ डॉलर का भुगतान कर दिया है।'' आकाश एजुकेशनल सर्विसेज के संस्थापक को बकाये का भुगतान बायजू ने जुलाई में ही कर दिया था। हालांकि ब्लैकस्टोन के हिस्से का बकाया आपसी समझौते के आधार पर टाल दिया गया था। आकाश के संस्थापकों और ब्लैकस्टोन की शिक्षण कंपनी में अल्पांश हिस्सेदारी अब भी बनी हुई है। आकाश एजुकेशन सर्विसेज का अधिग्रहण बायजू के कारोबार के लिए अनुकूल साबित हुआ है।

कई देशों में ब्याज दरें बढ़ने से क्रूड ऑयल धड़ाम, 80 डॉलर के नीचे आई कीमत

(एजेंसी):

अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के बाद बैंक ऑफ इंग्लैंड और स्विस बैंक द्वारा ब्याज दरों में किए गए इजाफे का असर क्रूड ऑयल पर पड़ा है। कई देशों द्वारा नीतिगत ब्याज दरों में बढ़ोतरी से वैश्विक मंदी को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। इससे निवेशकों को तेल की डिमांग घटने की आशंका है। इसका सीधा असर क्रूड ऑयल की कीमतों पर पड़ा है। हफ्ते के आखिरी कारोबार दिन शुक्रवार को ब्रेंट ऑयल 4.21 फीसदी या 3.81 डॉलर की भारी गिरावट के साथ 86.65 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ। वहीं, क्रूड ऑयल ड्ढ्ढ्रह्व 80 डॉलर के नीचे आ गया है। इसका वायदा भाव शुक्रवार को 4.86 फीसदी या 4.06 डॉलर की भारी गिरावट के साथ 79.43 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ था। क्रूड ऑयल की कीमतों में इस भारी गिरावट के बावजूद देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें पिछले करीब 4 महीने से कम नहीं हुई हैं।

कब हुआ था कीमतों में आखिरी बदलाव

बीती 22 मई को सरकार ने पेट्रोल पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क में कमी का फैसला किया था। इससे दिल्ली में पेट्रोल का दाम घट कर 96.72 रुपए पर आ गया था। डीजल की बात करें, तो 22 मई को दिल्ली में इसकी कीमतों में 7.35 रुपए की कमी हुई थी। उसके बाद इसका दाम घट कर 89.62 रुपए प्रति लीटर पर आ गया था।

दिल्ली में पेट्रोल-डीजल का भाव

देश की राजधानी दिल्ली में शनिवार को पेट्रोल की कीमत 96.72 रुपए और डीजल की कीमत 89.62 रुपए प्रति लीटर पर बनी हुई है। मायानगरी मुंबई की बात करें, तो यहां पेट्रोल 106.31 रुपए प्रति लीटर और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर पर मिल रहा है। इसके अलावा चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 102.63 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल की कीमत 94.24 रुपए प्रति लीटर पर बनी हुई है। वहीं, कोलकाता में शनिवार को पेट्रोल 106.03 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर पर मिल रहा है।

ईंधन की कीमतों में वृद्धि से वस्तुओं के दाम बढ़े, गंभीर दबाव में बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था

ढाका । (एजेंसी)

बांग्लादेश में ईंधन की कीमतों में वृद्धि से भोजन और अन्य आवश्यक वस्तुओं के दाम बढ़ गए है, इससे जनता रोष और निराशा में है। वहीं देश की अर्थव्यवस्था गंभीर दबाव में आ गई है। वहीं हाल के दिनों में विपक्ष की कटु आलोचना और विरोध प्रदर्शनों की वजह से प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार पर दबाव बढ़ा है। प्रदर्शनों को देखकर पीएम हसीना ने देश की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से मदद मांगी है।

हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि बांग्लादेश की स्थिति श्रीलंका जितनी गंभीर नहीं है। गौरतलब है कि श्रीलंका में अर्थव्यवस्था गंभीर संकट से गुजर रही है, वहां लोग भोजन, ईंधन और दवाओं की भीषण कमी से जूझ रहे हैं तथा आवश्यक वस्तुओं के लिए लंबी-लंबी कतारों में खड़े रहने को मजबूर हैं। बांग्लादेश भी महत्वाकांक्षी विकास परियोजनाओं पर अत्यधिक खर्च, भ्रष्टाचार, वंशवाद को लेकर जनता में रोष और व्यापार संतुलन बिगड़ने जैसी समान परेशानियों का सामना कर रहा है। इससे बांग्लादेश की वृद्धि प्रभावित हो रही है।

तेल की ऊंची कीमतों के कारण बढ़ती लागत से निपटने के लिए सरकार ने पिछले महीने ईंधन की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी की। इससे अन्य जरूरतों की बढ़ती लागत के कारण जनता ने विरोध शुरू कर दिया। इसके बाद अधिकारियों ने सरकारी डीलरों द्वारा चावल तथा अन्य जरूरी वस्तुओं की कम कीमत पर बिक्री का आदेश दिया। देश के वाणिज्य मंत्री टीपू मुंशी ने कहा कि एक सितंबर से शुरू हुए कार्यक्रम के नवीनतम चरण में लगभग पांच करोड़ लोगों की मदद होगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने कम आय वाले लोगों पर दबाव घटाने के लिए कई उपाय किए हैं।

राष्ट्रीय टीम से खेलने बिग बैश से हटेंगी मंधाना

मुम्बई । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की प्रमख बल्लेबाज स्मृति मंधाना अपनी फिटनेस बनाये रखने और काम के बोझ को घटाने के लिए ऑस्ट्रेलियाई महिला बिग बैश लीग (बीबीएल) से हट सकती हैं। मंधाना चाहती हैं कि वह राष्ट्रीय टीम से खेलने के लिए फिट बनी रहें। मंधाना साल की शुरुआत से ही लगातार खेल रही हैं। पिछले महीने राष्ट्रमंडल खेलों के बाद मंधाना 'द हंड्रेड' के लिए इंग्लैंड में ही रूक गई थीं। मंधाना ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह मानसिक से ज्यादा शारीरिक प्रबंधन के बारे में है।' उन्होंने कहा, 'निश्चित रूप से मैं बीबीएल से हटने के बारे में सोच रही हूं क्योंकि मैं राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने का अवसर खोना नहीं चाहती। इसके अलावा ये भी नहीं चाहती कि टीम के लिए खेलते समय किसी प्रकार की चोट हो क्योंकि मैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते हुए अपना सौ फीसदी देना चाहती हूं। इसलिए में निश्चत रूप से मैं बीबीएल से हटने के बारे में सोचूंगी।

आज निर्णायक मैंच में भारत की उम्मीदें प्रमुख गेंदबाज हर्षल पटेल और चहल पर होगी

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रोहित और कोहली को करना होगी बेहतर बल्लेबाजी

हैदराबाद ।

भारतीय टीम रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जब तीसरा और निर्णायक टी20 मुकाबला खेलने के लिए उतरेगी तब उसकी निगाह अपने दो प्रमुख गेंदबाजों हर्षल पटेल और युजवेंद्र चहल की फॉर्म पर टिकी रहेगी। भारत ने नागपुर में दूसरे मैच में छह विकेट से जीत दर्ज करके सीरीज बराबर कर ली हैं, लेकिन उसके लिए अपने गेंदबाजों विशेषकर हर्षल और चहल की फॉर्म चिंता का विषय है। भारत के लिहाजा से जसप्रीत बुमराह की वापसी अच्छी खबर है, लेकिन वरिष्ठ तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की खराब फॉर्म चिंता का विषय है। भुवनेश्वर एशिया कप और फिर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले मैच में भी नहीं चल सके थे। उन्हें दूसरे मैच से बाहर कर दिया गया था, क्योंकि कप्तान रोहित शर्मा मैदान गीला होने के कारण 8 ओवर का कर दिए गए, मैच में केवल चार गेंदबाजों के साथ उतरना चाहते थे। डेथ ओवरों के विशेषज्ञ हर्षल ने चोट से उबरने के बाद वापसी की है, लेकिन वह आत्मविश्वास से भरे हुए नहीं दिखाई दिए। उन्हें लय हासिल करने के लिए एक दो मैच और खेलना होगा। अपनी विविधतापूर्ण गेंदबाजी के लिए मशहूर तेज गेंदबाज ने वर्तमान सीरीज में छह ओवरों में 81 रन लुटाए हैं, और वह सबसे महंगे गेंदबाज साबित हुए हैं। हर्षल को लेथ हासिल करने में दिक्कत आ रही है और उन्हें अभी तक एक भी विकेट नहीं मिला है। भारत बीच के ओवरों में स्पिनरों के भरोसे है, जहां अक्षर पटेल का अच्छा प्रदर्शन उसके लिए अच्छी खबर है। वहीं, चहल की खराब फॉर्म चिंता का विषय। इस लेग स्पिनर ने एशिया कप में काफी रन लुटाए थे और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी इसमें बदलाव नहीं आया है। बल्लेबाजी में भारतीय शीर्ष क्रम में शामिल रोहित, केएल राहुल और विराट कोहली को अपने प्रदर्शन में निरंतरता दिखाने की जरूरत है। सूर्यकुमार यादव भी पिछले कुछ मैचों में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर सके, लेकिन अच्छी बात यह है कि हार्दिक पंड्या लगातार अच्छा खेल दिखा रहे हैं। भारत के बल्लेबाजों की एक और कमजोरी लेग स्पिन है। लेग स्पिनरों के खिलाफ उनका संघर्ष जारी है और एडम जंपा भी उनकी इस कमजोरी का फायदा उठा रहे हैं। टीम में फिनिशर की भूमिका निभा रहे दिनेश कार्तिक को आगे भी मौका मिलने की संभावना है।

नडाल और फेडरर की तस्वीर शेयर कर विराट कोहली ने लिखा भावुक नोट

नई दिल्ली ।

महान खिलाड़ी रोजर फेडरर अब टेनिस कोर्ट में नहीं दिखने वाले हैं। आखिरी मुकाबले में 20 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन फेडरर डबल्स मुकाबले में राफेल नडाल के साथ जोड़ी बनाकर उतरे। अमेरिकी फ्रांसेस टियाफो और जैक सॉक की जोड़ी ने नडाल और फेडरर की जोड़ी को हराया। 41 साल के फेडरर मैच खत्म होने के बाद बेहद भावुक हुए। दर्शकों का अभिवादन करते हुए वहां रोते हुए दिखाई दिए। इस दौरान करीब दो दशक तक उन्हें टक्कर देने वाले नडाल भी अपने आंसू नहीं रोक सके। नडाल-फेडरर की भावुक तस्वीर को शेयर कर विराट कोहली ने एक खूबसूरत पोस्ट किया है। कोहली ने ट्विटर पर लिखा, किसने सोचा था कि प्रतिद्वंदी एक-दूसरे के लिए ऐसा महसूस कर सकते हैं। यही खेल की खूबसूरती है। यह मेरे लिए खेल की दुनिया से जुड़ी सबसे खूबसूरत तस्वीर है। जब आपके साथी आपके लिए आंसू बहाते हैं,तब आप जानते हैं कि ईश्वर ने जो आपको हुनर दिया है, उसके साथ आप कैसे बेहतर कर पाए। इन दोनों खिलाड़ियों के लिए सम्मान के अलावा कुछ नहीं। दरअसल ने फेडरर ने पिछले ही टेनिस से संन्यास का ऐलान किया था। फेडरर को पिछले साल विंबलडन के क्वार्टर फाइनल में हार के बाद अपने दाहिने घुटने के तीन ऑपरेशन कराने पड़े थे। इसके बाद वह कोर्ट पर नहीं उतर पाए और इस तरह से विंबलडन का वह मैच उनका आखिरी सिंगल्स मैच साबित हुआ।

फाइनल में मैग्नस कार्लसन के सामने होंगे भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी

न्यूयॉर्क । युवा भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी ने जूलियस बाएर जेनरेशन कप ऑनलाइन रैपिड शतरंज टूर्नामेंट में वियतनाम के लिएम क्वांग को हराकर फाइनल में पहुंच गए हैं।जहां उनका सामना दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन से होगा। उन्नीस साल के एरिगेसी को वियतनाम के प्रतिद्वंद्वी की चुनौती से पार पाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी, जबकि कार्लसन ने 3-1 से जीत हासिल की। एरिगेसी-लिएम के बीच हुए मैच में पहला गेम ड्रा रहा और दूसरे में भारतीय ने जीत हासिल कर बढ़त बनाई। तीसरा गेम ड्रा रहा जिसके बाद वियतनाम के खिलाड़ी ने 32 चाल में जीत दर्ज कर बराबरी हासिल की। लेकिन टाई ब्रेकर में एरिगेसी ने लगातार दो गेम जीतकर 'दो दिवसीय' फाइनल में अपना स्थान पक्का किया।

फीफा विश्वकप टिकटों की बिक्री 27 को फिर शुरू होने से फैंस खुश

कतर पहुंचेंगे 10 लाख से अधिक फुटबाल प्रेमी

दोहा ।

कतर में 20 नवंबर से 18 दिसंबर के बीच होने वाले फीफा विश्व कप 2022 के टिकटों की बिक्री 27 सितंबर को 11.00 सीईएसटी, दोपहर 12.00 दोहा समय (2.30 बजे आईएसटी) पर फिर से शुरु होगी। फुटबाल के इस महाकुंभ के टिकटों के प्रति प्रशंसकों में दीवानगी चरम पर पहुंच गई है। कई फुटबाल प्रशंसक इस घोषणा के बाद बहुत उत्साहित हैं। दोहा निवासी शमीर्ली दत्ता गुप्ता टिकट के इंतजार में हर दूसरे दिन अपना फीफा ऑनलाइन खाता खोल रही हैं। उन्होंने कहा मैंने पहले चरण के दौरान टिकट खरीदे थे, लेकिन दूसरे चरण के दौरान मैं उतनी भाग्यशाली नहीं साबित हो सकी। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि क्वार्टर, सेमीफाइनल और फाइनल के सभी टिकट बिक चुके हैं। संभवतः ग्रुप स्टेज मैचों के लिए अधिक कीमत वाले टिकट बचे हैं। दोहा में एक अमेरिकी स्कूल में काम करने वाले भारतीय वरिष्ठ माध्यमिक शिक्षक ने कहा श्रेणी के टिकटों में से प्रत्येक की कीमत क्यूआर 500 है। मैं देखूंगा कि क्या मुझे सस्ती टिकट मिल सकती हैं। फीफा.कॉम पर ऑनलाइन टिकट बिक्री 18 दिसंबर को टूर्नामेंट के अंत तक जारी रहेगी। पाकिस्तानी नागरिक आमना परवेज राव 27 सितंबर को दोपहर दोहा के समय बुकिंग शुरू होने के बाद ऑनलाइन टिकट खरीदने को लेकर बेहद उत्साहित है। कतर विश्वविद्यालय के संपादक राव ने कहा, काश मैं क्यूआर 35 की कीमत पर टिकट खरीद सकता। आयोजकों के मुताबिक मिडिल ईस्ट में खेले जाने वाले पहले फीफा वर्ल्ड कप के लिए टिकटों की मांग लगातार बढ़ रही है। कतर पर्यटन चुंबक दुबई की सीमा में है, जो टूर्नामेंट के लिए तैयार है, जिसके दुनिया भर से एक मिलियन से अधिक प्रशंसकों के आने की उम्मीद है। कतर की खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) जैसे सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और ओमान ने कतर एयरवेज के केंद्र दोहा के लिए उड़ानों की संख्या बढ़ा दी है। कतरी कैरियर ने दुबई से और दुबई से शटल उड़ानों को शेड्यूल करके टूर्नामेंट के दौरान परिचालन में तेजी लाने की घोषणा की है। 5 जुलाई से 16 अगस्त तक के बिक्री चरण के दौरान, कुल 520,532 टिकट बेचे गए, फीफा ने कहा खरीदे गए टिकटों की कुल संख्या 2.45 मिलियन तक पहुंच गई है।

संक्षिप्त समाचार

मैंच के बाद कार्तिक ने रोहित की कप्तानी काबिलियत की प्रशंसा की

नागपुर । रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम ने नागपुर में एक रोमांचक मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 6 विकेट हराकर तीन टी2 मैचों की सीरीज में बराबरी कर ली। भारत की शानदार जीत में अहम भूमिका निभाने वाले रोहित शर्मा ने 20 गेंद में 46 रनों (4 छक्का और 4 चौका) की नाबाद पारी खेली, जबकि दिनेश कार्तिक ने आखिरी ओवर की पहली दो गेंदों पर ही 10 रन (1 छक्का और 1 चौका) बनाकर टीम इंडिया को जीता दिया। लेकिन कार्तिक ने रोहित की कप्तानी पारी की तारीफ करते हुए तेज गेंदबाजों को खेलने की उनकी योग्यता की सराहना की। हाल के मैचों से एकदम विपरीत खेलकर रोहित ने पूरे खेल में अपना विकेट सुरक्षित रखकर बहुत ही समझदार पारी खेली। उन्होंने नाबाद 46 रनों की पारी में चार चौके और चार छक्के लगाए। कार्तिक ने कहा, रोहित शर्मा ने शानदार खेला। मुझे दो गेंदें मिलीं, इसकारण मैंने वहां अपनी पूरी कोशिश की। नई गेंद और टॉप क्लास के नए गेंदबाजों के खिलाफ इस तरह के शॉट खेलना आसान नहीं है। इससे पता चलता है कि रोहित न केवल भारतीय क्रिकेट में, बल्कि विश्व क्रिकेट में इतने बड़े खिलाड़ी क्यों हैं। तेज गेंदबाजी के खिलाफ खेलने की उनकी क्षमता किसी से कम नहीं है और यही उन्हें वास्तव में खास बनाती है।

लीजेंड्स लीग क्रिकेट के दूसरे सीजन ने 16 मिलियन से अधिक दर्शकों का आंकड़ा दर्ज किया

नई दिल्ली । लीजेंड्स लीग क्रिकेट के दूसरे सीजन ने भारत में डिजिटल लाइव स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर 16 मिलियन से अधिक दर्शकों का आंकड़ा दर्ज किया है। इसके डिजिटल फुटप्रिंट ने दुनिया भर में 600 मिलियन प्रशंसकों को भी पार कर लिया है। नवीनतम ब्रॉडकास्ट ऑडियंस रिसर्च काउंसिल (बार्क) टीवी रेटिंग्स के अनुसार, इंडियन महाराजा और वर्ल्ड जायंट्स के बीच ईडन गार्डन में हुए सीजन के शुरुआती मैच में दुनिया के वरिष्ठ खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिसने उच्च रेटिंग हासिल की है। लीजेंड्स लीग क्रिकेट के पूरे पिछले सीजन की रेटिंग से भी यहां पांच गुना ज्यादा का आंकड़ा दर्ज किया गया है। इतनी बड़ी संख्या को देखना आश्चर्यजनक है। लीग के को फाउंडर और सीईओ रमन राहेजा ने कहा, 'इस सीजन में प्रशंसकों की प्रतिक्रियाएं जबरदस्त रही हैं और यह लीजेंड्स लीग क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है। द लीजेंड्स लीग क्रिकेट को पहली बार भारत में होस्ट किया जा रहा है। इससे पहले इसका प्रसारण अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और भारतीय उपमहाद्वीप में किया गया है। लीजेंड्स लीग क्रिकेट के मौजूदा सीजन में वीरेंद्र सहवाग, गौतम गंभीर, क्रिस गेल, मिशेल जॉनसन, जैक्स कैलिस और मुथैया मुरलीधरन सहित दुनिया भर के कई महान क्रिकेटरों ने भाग लिया है। चार टीमों के टूर्नामेंट में हरभजन सिंह मणिपाल टाइगर्स की कप्तानी करने वाले हैं, जबकि इरफान पठान भीलवाड़ा किंग्स का नेतृत्व करने वाले। वहीं, गुजरात जायंट्स टीम की अगुवाई सहवाग कर रहे हैं, तब इंडिया कैपिटल्स की कमान गौतम गंभीर के हाथों में है।

आखिरी मुकाबले में पराजय के बाद रोजर फेडरर की अश्रुधारा फूटी, पेशेवर टेनिस से लिया संन्यास

लंदन ।

टेनिस के सितारा खिलाड़ी रोजर फेडरर अपने करियर के अंतिम मुकाबले में पराजित हो गए। लीवर कप में 20 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन फेडरर डबल्स मुकाबले में अपने जोड़ीदार राफेल नडाल के साथ उतरे। अमेरिका के फ्रांसेस टियाफो और जैक सॉक की जोड़ी ने इम मुकाबले में नडाल और फेडरर को 4-6, 7-6, 11-9 से शिकस्त दी। इस पराजय के साथ ही फेडरर का पेशेवर टेनिस करियर खत्म हुआ। मुकाबले के बाद फेडरर के साथ-साथ नडाल भी रोते दिखे। मैच देखने आए नोवाक जोकोविच भी अपनी आंसुओं को रोक नहीं पाए। मुकाबले के बाद फेडरर बेहद भावुक हो गए। पिछले कुछ साल से फेडरर चोटों से जूझ रहे थे। घुटने की चोट की वजह से उन्होंने विंबलडन 2021 के बाद एक भी मैच नहीं खेला था। हाल में ही उन्होंने संन्यास का ऐलान किया था। फेडरर ने करीब 25 सालों तक पेशेवर टेनिस खेला। उन्होंने सितंबर 1997 में 16 साल की उम्र में डेब्यू किया था। रैंकिंग में 803 वें स्थान से अपना सफर शुरू करने के बाद शीर्ष तक पहुंचे। फेडरर 237 सप्ताह तक वर्ल्ड रैंकिंग में नंबर वन पर रहे हैं। रैंकिंग में सबसे अधिक समय तक पहले स्थान पर रहने का उनका रिकॉर्ड सर्बियाई खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने तोड़ा था। रोजर फेडरर ने 6 बार ऑस्ट्रेलियन ओपन, एक बार फ्रेंच ओपन, 8 बार विंबलडन और 5 बार यूएस ओपन खिताब अपने नाम किया है। फेडरर ने अपना आखिरी ग्रैंडस्लैम खिताब 2018 में ऑस्ट्रेलियन ओपन के रूप में जीता था। उस समय वह 20 ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बने थे। उनका रिकॉर्ड राफेल नडाल और नोवाक जोकोविच ने तोड़ा। नडाल ने 22 जबकि जोकोविच ने 21 ग्रैंड स्लैम खिताब पर कब्जा जमाया है। इसके अलावा वह ओलंपिक में एक गोल्ड और एक सिल्वर मेडल भी जीत चुके हैं। रोजर फेडरर ने महज 21 साल की उम्र में साल 2003 में पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था। वह विंबडलन चैंपियन बने थे। फेडरर की मां खुद एक टेनिस खिलाड़ी रह चुकी हैं।

अक्षर को मिला नया निकनेम, टीम इंडिया के डांडिया किंग

नई दिल्ली । टीम इंडिया ने नागपुर में हुए दूसरे टी20 में ऑस्ट्रेलिया को 6 विकेट से मता दी। इसके साथ ही भारत ने 3 टी20 की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। बारिश के कारण दूसरा टी20 8-8 ओवर का ही हुआ। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 ओवर में 5 विकेट खोकर 90 रन बनाए थे। भारत ने जीत के लक्ष्य को 4 गेंद रहते ही हासिल कर लिया। भारत की जीत में दो खिलाड़ियों का योगदान अहम रहा। अक्षर पटेल ने किफायती गेंदबाजी की, वहीं, रोहित शर्मा ने 20 गेंद में 46 रन की नाबाद पारी खेली। इस मैच के बाद युजवेंद्र चहल ने अक्षर का इंटरव्यू लेकर स्पिन गेंदबाज के नए निकनेम का भी खुलासा हुआ। चहल ने कहा कि हमने अक्षर को नया निकनेम दिया है। वहां टीम इंडिया के डांडिया किंग हैं। इंटरव्यू की शुरुआत में चहल ने अक्षर से पूछा कि आज आपको क्या लग रहा था, जिस तरह से हमारी बस ट्रैफिक में फंस गई थी, उस देखकर लगा कि हम स्टेडियम में पहुंच पाएंगे। इस पर अक्षर ने कहा, आज जिस तरह से ट्रैफिक में हम फंसे हुए थे, उस देखकर बिल्कुल नहीं लग रहा था कि आज हम स्टेडियम पहुंच पाएंगे। चहल ने इसके बाद अक्षर से दूसरे टी20 में उनकी रणनीति को लेकर सवाल किया। इसके जवाब में अक्षर ने कहा, 'मैंने जब गेंदबाजी शुरू की तब मुझे पता था कि पिच पर गेंदबाजों के बहुत ज्यादा मदद नहीं है। इसलिए मेरा प्लान था विकेट टू विकेट गेंदबाजी करना। मैं लगातार अपनी लाइन और लेंथ में बदलाव ला रहा था। मेरी यह रणनीति काम कर गई। अक्षर ने कहा कि चूंकि यह छोटा मैच था, मुझे पता था कि बल्लेबाज पहली ही गेंद से गेंदबाजों को टारगेट करने वाले हैं। इसलिए मैंने सिंपल गेंदबाजी की।

भारत ने कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा टी-20 मैच जीते, संयुक्त रूप से पहले नंबर टीम बनी

नई दिल्ली । आस्ट्रेलिया के खिलाफ 3 मैचों की टी20 सीरीज के दूसरे मैच में जीत के साथ भारतीय टीम एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा टी-20 मैच जीतने के मामले में संयुक्त रूप से पहले नंबर बन गई है। पाकिस्तान ने वर्ष 2021 में 29 टी-20 में से 20 जीते थे। भारत ने इस कैलेंडर वर्ष में 27 मैचों में 20 जीत हासिल कर ली है। भारत अगर तीसरे मैच में आस्ट्रेलिया को हरा देता है, तब इस मामले में पाकिस्तान को पछाड़ देगा। जहां तक भारत की बात है, तब उसने कभी इससे पहले एक कैलेंडर वर्ष में इतनी जीत हासिल नहीं की हैं। भारत ने घरेलू सरजमीं पर 12 में से नौ मैच जीते हैं। वह इस एक कैलेंडर वर्ष में घर पर सबसे ज्यादा टी-20 जीतने के मामले में जिंबाब्वे के साथ संयुक्त रूप से पहले नंबर पर आ गया है। जिंबाब्वे ने भी इस कैलेंडर वर्ष में घर पर नौ मैच जीते हैं।

संबंधों में खटास के बाद भी जड़ेजा को नंबर एक आलराउन्डर मानती है सीएसके, ठुकराया दिल्ली सहित कई टीमों का आफर

नई दिल्ली ।

दिग्गज आलराउन्डर रवींद्र जडेजा को आईपीएल 2022 से पहले एमएस धोनी की जगह चेन्नई सुपरकिंग्स का कप्तान बनाया गया था, लेकिन टीम के खराब प्रदर्शन के बाद रवींद्र जडेजा ने कप्तानी छोड़ दी थी और फिर से महेंद्र सिंह धोनी को कमान मिल गई थी। बाद में जडेजा चोट के कारण टी20 लीग से बाहर हो गए थे। खबर है कि उनके और सीएसके प्रबंधन के बीच संबंध अब वैसे नहीं रहे हैं, जैसे पहले हुआ करते थे। जडेजा ने सोशल मीडिया से उन्हें अनफॉलो भी कर दिया। मालूम हो कि इस समय जडेजा पैर की सर्जरी की वजह से टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं और वह टी20 वर्ल्ड कप में भी हिस्सा नहीं ले सकेंगे। रवींद्र जडेजा को लेकर दिल्ली कैपिटल्स सहित कई टीमों ने सीएसके को ऑफर दिया था कि वे उन्हें ट्रेड करना चाहती हैं। हालांकि मैनेजमेंट ने इससे इनकार कर दिया। उनका कहना है कि वे अभी भी दुनिया के नंबर-1 ऑलराउंडर हैं। पिछले दिनों खबर आई थी कि सीएसके और गुजरात टाइटंस के बीच ट्रेड को लेकर चर्चा हुई थी।

गुजरात से शुभमन गिल और सीएसके से जडेजा थे, लेकिन दोनों ही टीमों ने इसे गलत बताया है। राहुल तेवतिया ने आईपीएल 2022 में बल्ले से बेहतरीन प्रदर्शन किया था। गुजरात टाइटंस को चैंपियन बनाने में उनकी बेहद अहम भूमिका रही है। उनके अलावा आर साई किशोर को ट्रेड करने को लेकर कई फ्रेंचाइजी ने गुजरात से संपर्क किया था, लेकिन टीम ने ऐसा करने से मना कर दिया। हार्दिक पंड्या के पास गुजरात टीम की कमान है। खबर है कि बीसीसीआई की दिसंबर के मध्य में आईपीएल ऑक्शन कराने की योजना है। बताया जाता है कि 16 दिसंबर को ऑक्शन हो सकता है, हालांकि यह तारीख एकदम पक्की नहीं कही जा सकती है। बोर्ड इस संबंध में विभिन्न फ्रेंचाइजी से चर्चा कर रहा है। वेन्यू पर अभी तक फैसला नहीं किया गया है।

मार्च के चौथे हफ्ते से आईपीएल का नया सीजन शुरू हो सकता है। नया सीजन होम और अवे फॉर्मेट में खेला जाएगा।

धोनी ने दिया शानदार जबाव.....इंजी भाई के साथ रन दौड़ने पर धीरे दौड़ना होगा नहीं तब मैं आऊट हो जाऊंगा

नई दिल्ली । टीम इंडिया के पूर्व कप्तान एमएस धोनी खेल से ब्रेक लेकर आनंद ले रहे हैं। धोनी ने हाल ही में एक इवेंट में सफलता के मंत्र और कड़ी मेहनत के महत्व के बारे में बातचीत की। धोनी ने अपनी सोचने के प्रोसेस के बारे में भी लोगों को बताया, जिसकारण वहां शानदार क्रिकेटर और महान कप्तान बन पाए थे। धोनी की कामयाबी का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उनकी लीडरशिप स्कूल बुक्स का हिस्सा बन चुकी है। इस दौरान धोनी से पूछा गया है कि अगर उन्हें पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इंजमाम उल हक के साथ विकेट्स के बीच दौड़ना पड़े को वह क्या करने वाले हैं। धोनी ने कहा, अगर मैं इंजी भाई के साथ दौड़ूंगा, तब यह जरूरी है कि मैं अपनी स्पीड कम कर लूं। अगर मैं अपनी स्पीड कम नहीं करूंगा, तब 100 प्रतिशत रन आउट होगा। धोनी की यह बात सुनकर लोगों ने जमकर ठहाके लगाए। गौरतलब है कि पाकिस्तान के पूर्व कप्तान की विकेट्स के बीच रनिंग उतनी अच्छी नहीं थी। धोनी ने अपने करियर की सबसे छोटी टीम मीटिंग को याद कर कहा कि आईपीए के दौरान चेन्नई सुपर किंग्स के साथ उनकी मीटिंग 1 मिनट तक चली थी। वैसे भी धोनी अपनी टीम मीटिंग्स को छोटा रखते हैं, चाहे वह सीएसके के लिए हो या टीम इंडिया के लिए रखी गई हो। धोनी ने कहा कि वह मैच के दिनों में सुबह सोना पसंद करते हैं, ताकि मैदान पर तरोताजा महसूस करें। धोनी ने 15 अगस्त 2020 को इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट ले लिया था। धोनी ने अपना आखिरी इंटरनेशनल मुकाबला 2019 के वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। 41 साल के एमएस धोनी ने 350 वनडे, 98 टी20 इंटरनेशनल और 90 टेस्ट मैच खेलकर 17266 रन बनाए।

पीएम मोदी द्वारा अहमदाबाद मेट्रो लोकार्पण के दो दिन बाद नागरिकों के लिए मेट्रो शुरू हो जायेगी

अहमदाबाद । अहमदाबाद के नागरिक जिसकी आतुरतापूर्वक प्रतीक्षा कर रहे थे, वह मेट्रो रेलवे अब वास्तविकता बनने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी 30 सितंबर, 2022 को अहमदाबाद मेट्रो के प्रथम चरण के प्रोजेक्ट के अंतर्गत थलतेज से वस्त्राल रूट पर मेट्रो रेलवे का शुभारंभ कराएँगे। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की देखरेख में मेट्रो ट्रेन के कार्य को अंतिम रूप दे दिया गया है और अब यह लोगों की सेवा के लिए तैयार है। 40 किलोमीटर लम्बे प्रथम चरण में मेट्रो ट्रेन पूर्व तथा पश्चिम और पश्चिम तथा उत्तर व दक्षिण पर चलेगी। थलतेज गाँव से एपेरल पार्क तक का 21 किलोमीटर लम्बा रूट पूर्व एवं पश्चिम कॉरिडोर में है, जिसमें 17 स्टेशन हैं; जबकि उत्तर एवं दक्षिण कॉरिडोर 19 किलोमीटर का होगा, जो वासणा क्क्ष्ट से लेकर मोटेरा तक है, जिसमें 15 स्टेशन पड़ते हैं। पूर्व-पश्चिम कॉरिडोर में 6.6 किलोमीटर का अंडरग्राउंड सेक्शन है, जिसमें 4 अंडरग्राउंड स्टेशन हैं। 12925 करोड़ रुपए के खर्च से प्रथम चरण का कार्य किया गया है। इस प्रोजेक्ट में मई-2014 से अब तक कुल 910 लाख मानव दिवस रोज़गार का सृजन हुआ है। इस प्रोजेक्ट मंक कुल 96 रेलवे कोच, 129 लिफ्ट, 161 एस्केलेटर और 126 एंट्री/एग्ज़िट प्वॉइंट्स शामिल हैं।

5 से 25 रुपए तक के टिकट, दिव्यांगों के लिए विशेष सुविधा

दोनों कॉरिडोरों में टिकट दरें अलग-अलग स्टेशनों के लिए 5 से 25 रुपए के बीच रहेंगी। स्टेशनों पर नागरिकों के लिए विभिन्न सुविधाएँ विकसित की गई हैं, जिनमें दिव्यांगों के लिए विशेष रैम्प एवं व्हीलचेयर की सुविधा भी रहेगी। इसके अलावा नेशनल बिल्डिंग कोड (एनबीसी) की गाइडलाइन के अनुसार टैक्टाइल (स्पर्शेन्द्रिय) मार्ग, कम ऊँचाई वाले टिकट काउंटर, लिफ़्ट में ब्रेलकॉल बटन व हैण्डरेल और रेस्टरूम की सुविधा दी गई है। महिलाओं के लिए विशेष वॉशरूम, विशेष रूम की सुविधा दी गई है। सभी स्टेशनों पर सीसीटीवी कैमरा की निगरानी होगी और एसआरपीएफ़ व निजी सुरक्षा स्टाफ़ के जवान तैनात रहेंगे।

पूर्व तथा पश्चिम कॉरिडोर के स्टेशन थलतेज गाँव, दूरदर्शन केन्द्र, गुरूकुल रोड, गुजरात यूनिवर्सिटी, कॉमर्स छह रास्ता, एस. पी. स्टेडियम, पुरानी हाई कोर्ट, शाहपुर, घीकाँटा, कालूपुर रेल्वे स्टेशन, काँकरिया पूर्व, एपेरेल पार्क, अमराईवाडी, रबारी कॉलोनी, वस्त्राल, निरांत चौकड़ी (क्रॉस रोड) और वस्त्राल गाँव।

राज्य की राजधानी गांधीनगर को मेट्रो के दूसरे चरण में अहमदाबाद के साथ जोड़ा जाएगा, जो अहमदाबाद मेट्रो के प्रथम चरण का विस्तार होगा। इस चरण में दो कॉरिडोर हैं, जिनमें 22.8 किलोमीटर का मोटेरा स्टेडियम से महात्मा मंदिर का रूट है। इसमें 20 स्टेशन हैं, जबकि गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (जीएनएलयू) से गिफ़्ट सिटी का 5.4 किलोमीटर का रूट होगा, जिसमें 2 स्टेशन हैं। कुल 28.26 किलोमीटर के ये समग्र रूट एलिवेटेड होंगे।

"स्वच्छता पखवाड़ा" के तहत अहमदाबाद मण्डल के विभिन्न विभागों में गहन साफ सफाई की गई

अहमदाबाद । भारतीय रेल द्वारा 16 से 30 सितंबर 2022 तक "स्वच्छता पखवाड़ा" मनाया जा रहा है । पखवाड़े के दौरान रेलवे द्वारा रेल परिसरों ट्रेनों,ट्रैक इत्यादि क्षेत्रों में ठोस सुधार सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किये जा रहे है । वरिष्ठ मण्डल पर्यावरण एवं गृह व्यवस्था प्रबंधक एस टी राठौड़ ने जानकारी देते हुए बताया कि अहमदाबाद मण्डल पर 23 सितम्बर, 2022 को "स्वच्छ डिपो/ यार्ड/शेड/रेलवे स्कूल" दिवस के रूप में मनाया गया। इन सभी स्थानों पर गहन साफ सफाई कर स्वच्छता सुनिश्चित की गई तथा मच्छरों से बचाव हेतु फॉगिंग एवं एन्टी लार्वा स्प्रे का छिड़काव भी किया गया। बड़ी संख्या में रेल कर्मियों द्वारा श्रमदान कर डीजल शेड साबरमती और वटवा यार्ड और परिसर की व्यापक रूप से साफ सफाई की गई। 24 सितम्बर, 2022 को स्वच्छ रेलवे कॉलोनीया, हेल्थ यूनिट्स व अस्पताल दिवस के रूप में मनाया गया। जिसके तहत अहमदाबाद मण्डल की रेलवे कॉलोनीया, हेल्थ यूनिट्स व अस्पतालों को साफ-सुथरा बनाने के लिए विभिन्न गतिविधिया प्रारंभ की है। रेलवे कॉलोनी क्षेत्र में स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करने के लिए सभी रेल कर्मचारियों एवं परिवार के सदस्यों को स्वच्छता के लिए प्रेरित किया गया एवं कॉलोनी क्षेत्र में अवांछित वनस्पति और मलबे को हटाया गया। स्वास्थ्य के लिए स्वच्छता के लाभों के बारे में कर्मचारियों और रेलवे परिवार के सदस्यों को शिक्षित करने के लिए कॉलोनी और अस्पतालों में पोस्टर और बैनर भी प्रदर्शित किए गए। सिंगल यूज प्लास्टिक को हतोत्साहित करने के लिए लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है।

मही नहर में गिरी कार, तीन दिन बाद कार समेत दो शव बरामद

खेडा। जिले के ठासरा तहसील में तीन दिन पहले एक कार मही नहर में गिर गई थी। इस घटना में एक व्यक्ति बाल बाल बच गया था। जबकि दो लोग कार समेत नहर में डूब गए थे। तीन दिन की मशक्कत के बाद आज कार समेत दो लोगों के शवों को नहर से बाहर निकाला गया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए ठासरा सामूहिक स्वास्थ्य केन्द्र भेज मामले की जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक खेडा जिले की ठासरा तहसील के बाघरपुरा से बहने वाली मही नहर में एक कार गिर गई थी। ड्राइवर के नियंत्रण गंवाने से हुई इस घटना में एक व्यक्ति तो बाल बाल बच गया, जबकि अन्य दो लोग कर समेत नहर में डूब गए। घटना के साथ स्थानीय तैराकों की मदद से नहर में कार समेत दो लोगों की तलाश शुरू की गई। लेकिन सफलता नहीं मिलने पर अहमदाबाद फायर ब्रिगेड की मदद ली गई। तीन दिन की तलाश के बाद आज क्रेन की मदद से मही नहर से कार समेत दो लोगों के शवों को बाहर निकाला गया। ठासरा पुलिस ने शवों को पोस्टमार्ट के लिए ठासरा के सामूहिक स्वास्थ्य केन्द्र भेज दिया। प्राथमिक जांच में पता चला कि कार में सवार धर्मेन्द्रपुरी गोसाईं और उनके भाई अजयपुरी गोसाईं के अलावा भारती बापु सवार थे। इस घटना में धर्मेन्द्रपुरी गोसाईं बाल बाल बच गए। जबकि अजयपुरी गोसाईं और भारती बापु की कार समेत नहर में डूबने से मौत हो गई।

पीएम मोदी 29 को भावनगर में दुनिया के पहले सीएनजी टर्मिनल, ब्राउनफील्ड पोर्ट का करेंगे शिलान्यास

गांधीनगर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 29 सितंबर, 2022 को भावनगर में दुनिया के पहले सीएनजी टर्मिनल का शिलान्यास करेंगे। वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल बिजनेस समिट 2019 के दौरान फोरसाइट ग्रुप ने गुजरात में इस सीएनजी टर्मिनल की स्थापना के लिए गुजरात मेरीटाइम बोर्ड (जीएमबी) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे। आज, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व वाली गुजरात सरकार ने विभिन्न नीतियों के तीव्र कार्यान्वयन का आश्वासन दिया है और इस टर्मिनल को आगामी दिनों में आकार देने के लिए आवश्यक अनुमतियां दी हैं। कंसोर्टियम ने दिसंबर, 2019 में भावनगर बंदरगाह की उत्तर दिशा की ओर सीएनजी टर्मिनल एवं अन्य टर्मिनलों के विकास के लिए गुजरात मेरीटाइम बोर्ड (जीएमबी) के समक्ष परियोजना प्रस्ताव पेश किया था। गुजरात सरकार ने परियोजना का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया और सितंबर, 2020 में जीएमबी ने भावनगर पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड (बीपीआईपीएल) के नाम पर एक आशय पत्र (एलओआई) जारी किया, जो कंसोर्टियम द्वारा गठित किया गया एक स्पेशल पर्पज व्हीकल है।

सीएनजी टर्मिनल और ब्राउनफील्ड पोर्ट की विशेषताएं

यह बंदरगाह 4024 करोड़ रुपए के खर्च से विकसित किया जाएगा और यहां विश्व के पहले सीएनजी टर्मिनल के लिए अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ-साथ दुनिया का चौथा सबसे बड़ा लॉक गेट सिस्टम होगा। सीएनजी टर्मिनल के अलावा यह बंदरगाह भावनगर जिले की भविष्य की आवश्यकताओं एवं वाहन स्क्रैपिंग, कंटेनर उत्पादन, दूसरे मेगा प्रोजेक्ट्स विशेषकर धोलेरा विशेष निवेश क्षेत्र (धोलेरा एसआईआर) जैसी आगामी परियोजनाओं की जरूरतों को भी पूरा करेगा। इस बंदरगाह में अत्याधुनिक कंटेनर टर्मिनल, बहुउद्देशीय टर्मिनल और लिक्विड टर्मिनल भी होगा, जो देश के सबसे बड़े औद्योगिक क्षेत्रों, समर्पित माल ढुलाई गलियारा (डीएफसी) एवं देश के उत्तरी भीतरी क्षेत्रों के साथ जोड़ने वाले मौजूदा रोड वे और रेलवे नेटवर्क को सीधी डोर-स्टेप कनेक्टिविटी देगा। यह प्रस्तावित बंदरगाह कम अंतर्देशीय दूरी की यात्रा पर अधिक कार्गो वॉल्युम के संचालन के साथ कई आर्थिक लाभ देने के साथ-साथ लागत में बचत भी करेगा। यह बंदरगाह लगभग 1100 लोगों के लिए प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रोजगार का सृजन करने में मदद करने के साथ ही अनुषांगिक बंदरगाह संबंधित सेवाओं के अवसरों में भी वृद्धि करेगा। इसके अलावा, सीएनजी आयात टर्मिनल स्वच्छ ऊर्जा की बढ़ती मांग को पूरी करने के लिए ऊर्जा का अतिरिक्त वैकल्पिक स्रोत प्रदान करेगा। प्रमोटरों ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के रास अल खैमाह स्थित आरएके गैस के साथ सीएनजी आपूर्ति और सीएनजी निर्यात टर्मिनल के विकास के लिए पहले ही समझौते पर हस्ताक्षर कर लिए हैं। सीएनजी का आपूर्ति तंत्र एक बार कार्यरत हो जाए, तो यह एक क्रांतिकारी घटना होगी, जो भारत को छोटे पैमाने के और अप्रयुक्त गैस के जत्थों का उपयोग करने में सक्षम बनाएगा। बंदरगाह का निर्माण कार्य लगभग 2023 के प्रथम छह महीनों के भीतर शुरू हो जाएगा और 2026 में यह बंदरगाह कार्यरत हो जाएगा।

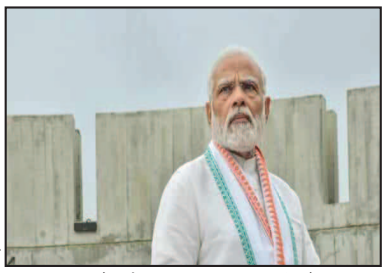

नारायण मूर्ति बोले- मनमोहन सिंह असाधारण, पर यूपीए के समय 'ठहर' गया था देश

अहमदाबाद। देश शीर्ष सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी इंफोसिस के सह-संस्थापक एन आर नारायण मूर्ति ने संयुक्त प्रगतिशील गटबंधन (यूपीए) सरकार के अंतिम सालों के कार्यकाल को लेकर बड़ी बात कहते हुए कहा कि इस वक्त निर्णय लेने में देरी से आर्थिक गतिविधियां प्रभावित हुई। हालांकि, उन्होंने पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को असाधारण बताया। नारायण मूर्ति ने कहा कि कांग्रेस की अगुवाई वाली यूपीए सरकार के वक्त जब मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे, तब भारत में आर्थिक गतिविधियां 'ठहर' गईं थीं और समय पर निर्णय नहीं लिए जा रहे थे।

भारतीय प्रबंधन संस्थान- अहमदाबाद (आईआईएम-ए) में युवा उद्यमियों और छात्रों के साथ बातचीत के दौरान नारायण मूर्ति ने भरोसा जताया कि युवा दिमाग भारत को चीन का एक योग्य प्रतिस्पर्धी बना सकता है। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, 'मैं लंदन में (2008 और 2012 के बीच) एचएसबीसी के बोर्ड में था। पहले कुछ वर्षों में जब बोर्डरूम (बैठकों के दौरान) में चीन का दो से तीन बार उल्लेख किया गया तो भारत का नाम एक बार आता था।' इंफोसिस के को-फाउंडर मूर्ति ने आगे कहा, 'लेकिन दुर्भाग्य से मुझे नहीं पता कि बाद में (भारत के साथ) क्या हुआ। (पूर्व पीएम) मनमोहन सिंह एक असाधारण व्यक्ति थे और मेरे मन में उनके लिए बहुत सम्मान है, लेकिन संप्रग (यूपीए) के दौर में भारत ठहर गया था। मनमोहन सिंह सरकार की ओर से समय पर निर्णय नहीं लिए जा रहे थे। सब कुछ देरी से हो रहा था'।

जब उन्होंने एचएसबीसी (2012 में) छोड़ा तो बैठकों के दौरान भारत का नाम शायद ही कभी आता था, जबकि चीन का नाम लगभग 30 बार लिया गया। मूर्ति ने कहा कि आज दुनिया में भारत के लिए सम्मान का भाव है और देश अब दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। जब उनसे पूछा गया कि वह भविष्य में भारत को कहां देखते हैं तो उन्होंने जवाब दिया कि यह आपकी यानी युवा पीढ़ी की जिम्मेदारी है कि वे जब भी किसी दूसरे देश, खासकर चीन का नाम लें तो साथ में भारत का नाम अवश्य लें। मुझे लगता है कि आप लोग ऐसा कर सकते हैं। मूर्ति ने आगे कहा कि चीनी अर्थव्यवस्था भारत से 6 गुना बड़ी है। 1978 से 2022 के बीच इन 44 सालों में चीन ने भारत को बहुत ज्यादा पछाड़ दिया है। अगर आप लोग मेहनत करते हैं तो भारत भी वैसा ही सम्मान पाएगा, जैसा आज चीन को मिलता है।

मतदाता जागृति के लिए चुनाव आयोग नई पहल, इन तीन संस्थाओं के साथ किया एमओयू

गांधीनगर। गुजरात विधासभा के आगामी चुनाव में मतदाताओं की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए राज्य चुनाव आयोग ने नई पहल करते हुए तीन अलग अलग संस्थाओं के साथ एमओयू किया है। गुजरात विधानसभा के इसी साल के अंत में चुनाव होना है और इसे लेकर राज्य में सभी राजनीतिक दलों ने तैयारियां शुरू कर दी है। अब चुनाव आयोग ने भी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गया है। चुनाव आयोग ने मतदाताओं की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए अलग-अलग एसोसिएशन के साथ एमओयू किया है। गुजरात चुनाव आयोग ने राज्य के मतदाता तक पहुंचने के लिए दवा बाजार के एसोसिएशन के साथ एमओयू किया है। गुजरात चुनाव आयोग और गुजरात केमिस्ट एसोसिएशन के बीच एमओयू किया गया है। अब राज्य के सभी मेडिकल स्टोर से मतदान के लिए जागृत किया जाएगा। अर्थात् मेडिकल स्टोर पर आने वाले मरीजों को मतदान करने के लिए समझाया जाएगा। बता दें, राज्य के 32 हजार मेडिकल स्टोर के साथ चुनाव आयोग ने एमओयू किया है। दूसरी ओर गुजरात हाईकोर्ट के सभी वकील मतदान करें, इसके लिए 'द गुजरात हाईकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन' के साथ एमओयू किया गया है। गुजरात हाईकोर्ट एडवोकेट्स के कोषाध्यक्ष डीए दवे द्वारा मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्रीमती पी भारती के साथ समझौता करार पर हस्ताक्षर किए गए। गौरतलब है हाल ही में केंद्रीय चुनाव आयोग के अधिकारियों ने गुजरात की मुलाकात ली थी। ऐसे में अब राज्य में चुनाव के लिए चल रही तैयारियों की समीक्षा की। इसके साथ चुनाव आयोग के अधिकारियों ने राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी पी.भारती के साथ जिला चुनाव अधिकारियों, जिला पुलिस अधिक्षक तथा पुलिस कमिश्नरों के साथ भी समीक्षा बैठक की थी। आगामी 26 सितंबर से केन्द्रीय चुनाव आयोग की टीम गुजरात आ रही है। जानकारी के मुतबिक 27 और 27 सितंबर को केन्द्रीय चुनाव आयोग की टीम विभिन्न राजनीतिक दलों के साथ मुलाकात करेगी। साथ ही रज्य के सभी जिला कलेक्टरों के साथ भी बैठक करेगी।

टाटा हिताची ने 20 टन हाइड्रोलिक एक्सकेवेटर EX200 इंफ्रा, सुपर+ सीरीज लॉन्च करने की घोषणा की

सूरत। टाटा हिताची ने आज सूरत में अपनी पूरी तरह से नई 20-टन हाइड्रोलिक एक्सकेवेटर EX200 इंफ्रा, सुपर प्लस सीरीज लॉन्च की। EX200LC श्रृंखला जिसे 90 के दशक की शुरुआत में लॉन्च किया गया था, निस्संदेह भारत में सबसे लोकप्रिय हाइड्रोलिक उत्खनन है। इस श्रृंखला की 25000 से अधिक मशीनें अब तक बेची जा चुकी हैं, जिससे उद्यमियों की कई पीढ़ियों को समृद्धि मिली है और इस तरह यह श्रृंखला आज भी अपने नेतृत्व की स्थिति पर कायम है।

इस विरासत को आगे बढ़ाते हुए, टाटा हिताची ने अर्थवर्क और इंफ्रा अनुप्रयोगों के लिए सुपर प्लस श्रृंखला का EX200 इन्फ्रा लॉन्च किया है। दशकों के अनुभव और टाटा हिताची की उन्नत हाइड्रोलिक तकनीक के पूरक, EX200 INFRA वर्ग-अग्रणी ईंधन दक्षता प्रदान करता है। यह एक शक्तिशाली कमिंस इंजन द्वारा संचालित है और ऑटो निष्क्रिय, ऑटो मंदी, दो कार्य मोड, डायल-टाइप थ्रॉटल, ईंधन-बचत पंप सिस्टम और हाइड्रोलिक पुनर्जनन प्रणाली जैसी सुविधाएं भी प्रदान करता है।

मशीन की इनबिल्ट इनसाइट टेलीमैटिक्स ग्राहकों को मशीन के उपयोग, सेवा इतिहास और कई अन्य सुविधाओं पर लाइव डेटा तक पहुंचने में सक्षम बनाती है। कम रखरखाव लागत मशीन की परिचालन लागत को उसके जीवनकाल में और कम कर देती है। यह ग्राहक को लाभप्रदता बढ़ाने और मशीन के प्रदर्शन को अनुकूलित करने में मदद करता है।

एक साथ लिया गया, EX200 इन्फ्रा श्रृंखला अपनी श्रेणी में निवेश पर सर्वोत्तम लाभ प्रदान करती है। इस बिल्कुल नए हाइड्रोलिक एक्सकेवेटर EX200 इंफ्रा का लॉन्च टाटा हिताची के लिए बहुत महत्वपूर्ण है और इसके साथ ही, कंपनी ने 20-टन वर्ग में अपनी उपस्थिति को मजबूत किया है जो भारत में सबसे ज्यादा बिकने वाला एक्सकेवेटर सेगमेंट है। टाटा हिताची अपने मूल्यवान ग्राहकों की निर्माण उपकरणों की जरूरतों के लिए वन-स्टॉप सॉल्यूशन प्रदाता बनने की अपनी प्रतिबद्धता पर कायम है।

क्यूएमएस मेडिकल अलाइड सर्विसेस लिमिटेड का आईपीओ 27 सितंबर 2022 को खुल रहा है

मुंबई । मेडिकल और हेल्थ केयर डिवाइसोंऔर उपकरणों केविस्तृतरेंज के मार्केटिंग और वितरण में व्यस्त, क्यूएमएस मेडिकल अलाइड सर्विसेस(क्यूएमएस) ने एनएसईइमर्ज प्लेटफार्म पर कुल 5,68। लाख रुपए के 121 रुपया प्रति इक्विटी शेयर मूल्य पर 10रुपए प्रत्येक के 4।,00,000 इक्विटी शेयरों के अपने इनिशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ) खोलने का प्रस्ताव किया है। इसमें से 19,00,000 इक्विटी शेयर बिक्री के लिए ऑफर किए जा रहे हैं जबकि 28,00,000 इक्विटी शेयर का फ्रेश इश्यू है। इश्यू30 सितंबर 2022 को बंद होगा । आईपीओ से प्राप्त शुद्ध रकम का कार्यशील पूंजी की जरूरत पूरी करने और आम कारपोरेट उद्देश्योंके लिए उपयोग किया जाएगा ।

इश्यूके लीड मैनेजर फर्स्ट ओवरसीज कैपिटल लिमिटेड औरइश्यूकी रजिस्ट्रार बिग शेयरसर्विसेसलिमिटेड है । क्यूएमएस मेडिकल अलाइड सर्विसेस लिमिटेड मेडिकल और हेल्थ केयर डिवाइस और उपकरणों की मार्केटिंग और वितरण में व्यस्त है ।कंपनी किलनिक्स,फार्मा और मेडिकल कंपनीजैसे विभिन्न अंतिम उपभोक्ताओं को और व्यक्तिगत उपभोक्ताओं को इन प्रोडक्ट की बिक्री और वितरण करती है ।यह डिवाइस सीधे निर्माताओं के ब्रांड को और "क्यू-डिवाइसेस"के रूप में स्वयं के ब्रांड के तहत भी बेचे जाते हैं। कंपनी ऑनलाइन और ऑफलाइन चैनलों के मार्फतअपनेउत्पादों की बिक्री करती है ।कंपनी का अपना स्वयं का ऑनलाइन पोर्टलwww.qms-mas.com और www.qmsmeds.com है ।

क्यूएमएस प्रमाण आधारित, वैज्ञानिक कंटेंट मेडिकल प्रोग्रामकारेंजभीऑफरकरती है, जिसका क्लीनिकल नॉलेज और प्रैक्टिस की अपडेटिंग करने में उपयोग किया जाता है । कंटिन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन (सीएमई) चिकित्सा समुदाय में कंटेंपरेरी प्रगति के बढ़तीहुईवृद्धि के साथ चिकित्सक केनॉलेज को अपडेट करने के लिए बहुमूल्य मेकैनिज्म है ।

अपने पेशेंट सर्विस प्रोग्रामों के तहत कंपनीविभिन्न फार्मास्यूटिकल कंपनियों की ओर सेअखिल भारत स्तर पर हमारे हेल्थ केयर पार्टनर (एचसीपी) क्लीनिक पर विभिन्न थेरेपी एरिया में विभिन्न प्रतिबंधक और डायग्नोस्टिक कैंपोंका भी आयोजन करती है ।

31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष में कंपनी की कुल आय 14,774 लाख रुपए हुई, 31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष में कंपनी काकर बाद लाभ 1,070 लाख रुपयाहुआ । पिछले 3 वित्त वर्ष, वित्त वर्ष 2020-22 में कंपनी की आय 41.3% सीएजीआर से बड़ीहै,जबकि एबिटडा और कर बादलाभ क्रमश: 56.6% और 52.2ल सीएजीआर से बढा है ।

क्यूएमएस मेडिकल अलाइड सर्विवेस के प्रमोटर, चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री महेश मखीजा ने कहा, "उद्योग की रिपोर्ट के अनुसार,मेडिकल उपकरण के भारतीय मार्केट के 2021 के 12 बिलियन यूएस डालर से उच्च दर से बढ़कर 2025 में 50 बिलियन यूएस डॉलर पर पहुंचने का पूर्वानुमान है । हमारा दृढ़रुप से मानना है कि बढ़ते हुए बाजार आकार से हमारा हिस्सा बढ़ेगा जिससे हमें फायदा होगा ।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)